भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड , आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 111 | मुरैना, गुरूवार 30 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

गुरूकुल परम्परा और नवीन तकनीक से गढ़ेंगे भविष्य का मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन में खुलेगी धन्वंतरी मेडिकल यूनिवर्सिटी

निज संवाददाता

भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति इसकी गुरू परम्परा है। जब गुरूकुल के संस्कार आधुनिक विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अतिरिक्त क्षमता से जुड़ेंगे, तब हमारी ऐसी पीढ़ी तैयार होगी, जो ज्ञान में श्रेष्ठ, चरित्र में उत्कृष्ट और राष्ट्र निर्माण के प्रति एकनिष्ठ होगी। यही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत की सबसे बड़ी नींव है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना आधुनिक शिक्षा और अत्याधुनिक कक्षाओं से ही पूरा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय हमारी पुरातन गुरूकुल शिक्षा पद्धति का नूतन एवं आधुनिक स्वरूप है। इन विद्यालयों के माध्यम से एक बेहतर कल की ओर बढ़ रहे हैं। इन विद्यालयों से हम अपने लाखों विद्यार्थियों का एक सुनहरा भविष्य गढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा, संस्कार, तकनीक और सांस्कृति चेतना के अद्भुत समन्वय का संदेश देकर कहा कि मध्यप्रदेश में विकसित हो रहे सांदीपनि विद्यालय भविष्य के भारत के निर्माण की आधारशिला सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को %गुरू पूर्णिमा महोत्सव% के अवसर पर उज्जैन के माधव विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित %महर्षि सांदीपनि गुरू पर्व% समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मौके पर उज्जैन जिले के लिए कुल 587.23 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न श्रेणी के 9 बड़े विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीते तीन वर्ष तक बोर्ड परीक्षाओं में लगातार शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले 6 प्राचार्यों को सांदीपनि अलंकरण से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा विभाग में नव नियुक्त 7500 प्राथमिक शाला शिक्षकों में से 10 शिक्षकों को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर केंद्रित %मिशन बुनियाद% का शुभारंभ किया। यह मिशन प्रदेश के 8 जिलों के 500 शासकीय स्कूलों में चलाया जाएगा। इसमें कक्षा में 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को एआई से पर्सनली पढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %सर्वांग% एवं %श्रीकृष्ण विद्यांजलि% नामक दो पुस्तिकाओं का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेशनल मीन्स कम मेरिट में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का भी सम्मान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में भव्य गीता भवन बनाने का संकल्प लिया है। आज उज्जैन में गीता भवन का लोकार्पण नागरिकों के लिए कई प्रकार से सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यह शिक्षा विभाग का गीता भवन है। नगर निगम और उज्जैन विकास प्राधिकरण के भी अलग-अलग गीता भवन बनाए जाएंगे। सिंहस्थ- 2028 की तैयारियों के साथ ही इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन सिटी के विकास कार्य भी निरंतर जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में नई भर्तियों की शुरुआत की है। विगत दो साल में पुलिस विभाग में 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में 10 हजार शिक्षकों की भर्ती का काम पूरा हुआ है। आज 3 संभागों के लगभग 1000 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिले हैं। उन्होंने कहा कि ये शिक्षक महर्षि सांदीपनि के वंशज के रूप में जाने जाएंगे। शिक्षक भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता के भाव से बच्चों को शिक्षित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज शासकीय विद्यालयों के ऐसे प्राचार्यों को, जिन्होंने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में तीन साल तक शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम दिया है, उन्हें सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के ऐसे सभी स्कूलों के प्राचार्यों को 1 लाख रुपए की सम्मान राशि और प्राध्यापकों के साथ स्कूल में विकास कार्यों के लिए 5 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इससे स्कूल शिक्षा में और बेहतरी का एक सकारात्मक संदेश जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जबलपुर में एकमात्र मेडिकल यूनिवर्सिटी है। दूसरी की महती आवश्यकता महसूस हो रही है। इसलिए अब उज्जैन में ही नवीन धनवन्तरी चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार स्कूल से लेकर विदेशों में पढ़ाई तक हर स्तर पर सहायता करने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश, पूरे देश का इकलौता राज्य है, जो 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को डॉक्टर बनाने के लिए उनकी फीस के रूप में 70 से 80 लाख रूपए तक खर्च कर रहा है। स्कूली विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों से लेकर गणवेश, साइकिल से लेकर स्कूटी तक हमारी सरकार उपलब्ध करा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने बच्चों की पढ़ाई के लिए एआई आधारित मिशन बुनियाद अंतर्गत नई शिक्षा योजना की शुरुआत कर दी है। यह प्रदेश की शिक्षा पद्धति में एक नये युग के आरंभ जैसा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि %गुरू पूर्णिमा महोत्सव% के अवसर पर प्रदेशभर में 60 नए सांदीपनि विद्यालयों की सौगात मिली है। इनमें 39 स्कूल शिक्षा विभाग और 21 जनजातीय कार्य विभाग के हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालय भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का स्मरण कराते हैं। पहले और दूसरे चरण में सांदीपनि विद्यालयों के निर्माण पर हमारी सरकार करीब 25 हजार 500 करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यों के लिए हमारे पास धन की कोई कमी नहीं है। अब निजी स्कूलों के विद्यार्थी भी बड़े पैमाने पर हमारे सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं, लेकिन पहले सरकारी स्कूलों में कक्षा पहली से आठवीं तक पढ़ चुके विद्यार्थियों को मौका दिया जा रहा है।

अद्वितीय है महर्षि सांदीपनि आश्रम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गुरु पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांदीपनि आश्रम में की पूजा-अर्चना

स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने लगभग 5100 वर्ष पूर्व इसी पावन स्थल पर महर्षि सांदीपनि से ग्रहण की थी विद्या

निज संवाददाता

भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम अत्यंत गौरवशाली और अद्वितीय है। लगभग 5100 वर्ष पूर्व स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने इसी पावन स्थल पर महर्षि सांदीपनि से विद्या ग्रहण की थी। भगवान श्रीकृष्ण से शिक्षा प्राप्त कर जगद्गुरु की उपाधि से विभूषित हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर उज्जैन के प्रमुख देवस्थानों के विकास कार्यों का शुभारंभ हो रहा है, जिसमें शहर को गीता भवन की बड़ी सौगात भी मिल रही है। उन्होंने कहा कि आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हम सभी गुरुओं का सम्मान कर अपने जीवन को धन्य करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर उज्जैन स्थित ऐतिहासिक महर्षि सांदीपनि आश्रम पहुंचकर पूजन-अर्चन और आरती की। पूजा-अर्चना पं. कीर्ति रूपम व्यास एवं श्री राहुल व्यास के द्वारा संपन्न कराई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपनी स्वरचित पुस्तक %महर्षि सांदीपनि- भारतीय गुरुकुल परंपरा के शिल्पी% की प्रति महर्षि सांदीपनि की प्रतिमा के समक्ष अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रम परिसर में स्थित अति प्राचीन श्री कुंडेश्वर महादेव और श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया। आश्रम के मुख्य पुजारी परिवार द्वारा मुख्यमंत्री का अंगवस्त्रम् ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत-सम्मान किया गया।

आश्रम में हुआ पंचामृत अभिषेक और स्लेट पूजन

महर्षि सांदीपनि व्यास के वंशज एवं मंदिर के मुख्य पुजारी पं. कीर्ति रुपम व्यास ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर आश्रम में प्रतिवर्षानुसार विशेष अनुष्ठान आयोजित किए गए। प्रातःकाल भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्री बलराम और गुरु सांदीपनि का पंचामृत अभिषेक एवं विशेष पूजन किया गया। परंपरा अनुसार, प्रथम बार शिक्षा प्रारंभ करने वाले छोटे बच्चों द्वारा %स्लेट पूजन% का आयोजन भी हुआ।

गुरु गादी परिसर को भव्य और दिव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन स्थित वृंदावन पूरा में संत शिरोमणि रविदास महाराज की चरण पादुका और गुरु गादी स्थल पहुंचकर श्रद्धापूर्वक नमन किया एवं श्रद्धापूर्वक चादर चढ़ाई। राज्य के सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि संत रविदास जी महाराज के इस चरण पादुका एवं गुरु गादी परिसर को भव्य और दिव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा, जिसके लिए जल्द ही आवश्यक विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा शिरोमणि रविदास महाराज के आदर्श, उपदेश और विचार आज भी समाज में समानता, सद्भाव और मानवता की भावना का संचार करते हैं। उनका जीवन पूरी मानव जाति के लिए एक मार्गदर्शक है।

इस गरिमामय आयोजन में जन प्रतिनिधियों और रविदास समाज के प्रमुख लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, महापौर मुकेश टटवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी और उपाध्यक्ष मुकेश यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया सहित रविदास समाज के संभागीय अध्यक्ष मनोहर सुरेश कुसुमारिया, विजेंद्र चौहान, कमल हनोतिया, कमलकांत राजोरिया, विक्रम परमार, रितेश जटिया, अंबाराम चौहान, प्रशासनिक अधिकारी एवं भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

भोपाल में किसान आंदोलन उग्र,

चार सुरक्षा घेरे तोड़ सीएम आवास की ओर बढ़े किसान, पुलिस से धक्का-मुक्की

भोपाल, 29 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में किसानों का आंदोलन बुधवार को तीसरे दिन उग्र हो गया। मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच कर रहे किसानों ने पुलिस की चार स्तरीय बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिससे कई स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई।

आंदोलन के दौरान कुछ किसानों ने अर्धनग्न होकर विरोध दर्ज कराया, जबकि बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ते रहे। सुरक्षा कारणों से पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मूंग की शत-प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदी, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसान पिछले तीन दिनों से राजधानी में डटे हुए हैं। किसानों का आरोप है कि सरकार लगातार आश्वासन दे रही है, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा।

किसानों ने बोर्ड ऑफिस चौराहे, कांग्रेस कार्यालय, रेडक्रॉस अस्पताल और शिवाजी चौराहे के पास पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया। कई स्थानों पर सड़क रोकने के लिए खड़ी बसों पर भी प्रदर्शनकारी चढ़ गए और उन्हें हटाने की कोशिश की। पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया।

प्रदर्शन के दौरान कई किसानों ने अपनी कमीज और बनियान उतारकर अर्धनग्न प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि जब सरकार किसानों की आवाज नहीं सुन रही, तब विरोध का यही रास्ता बचा है। किसानों ने आरोप लगाया कि उन्हें फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा और लगातार आर्थिक संकट गहरा रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास के बाहर आंदोलनकारी किसान पहुंचकर सड़क पर बैठ गए। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने वाहनों को सड़क पर खड़ा कर रास्ता पूरी तरह ब्लॉक कर दिया है। मौके पर पुलिस का बम निरोधक (बॉम्ब डिस्पोजल) वाहन भी तैनात किया गया है। आवास के बाहर भारी पुलिस बल मौजूद है और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है।

प्रदर्शनकारी दशरथ पटेल ने कहा कि किसान किसी से भीख नहीं मांग रहे, बल्कि अपना अधिकार मांग रहे हैं। उन्होंने सरकार पर चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया।

आंदोलन में शामिल कुछ महिलाओं ने कहा कि उन्हें लाड़ली बहना योजना की राशि नहीं चाहिए, बल्कि उनकी मूंग की फसल का उचित मूल्य मिलना चाहिए। किसान आंदोलन के समर्थन में रायसेन से भोपाल पहुंचीं प्रियंका रघुवंशी ने सरकार से किसानों की मांगें जल्द पूरी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार किसानों की मांगें पूरी नहीं करती है तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस्तीफा दे देना चाहिए।

प्रदर्शन स्थल पर किसानों ने सरकार की सद्बुद्धि हवन किया। वहीं कई किसान सड़क किनारे ही भोजन बनाते और आराम करते नजर आए। प्रदर्शन स्थल पर दाल-बाटी बनाकर सामूहिक भोजन की व्यवस्था भी की गई।

कांग्रेस का समर्थन

बुधवार शाम को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचने पर किसान कांग्रेस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आंदोलनकारियों पर फूल बरसाकर स्वागत किया। कांग्रेस नेताओं ने किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को प्रदेशव्यापी बनाया जाएगा। किसान कांग्रेस ने चेतावनी दी कि 3 अगस्त तक मांगें पूरी नहीं होने पर हाईवे जाम और मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय कृषि मंत्री के आवास का घेराव किया जाएगा।

आमजन पर असर, स्कूल बंद

किसान आंदोलन के कारण नर्मदापुरम रोड सहित कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने कई रास्तों पर बैरिकेडिंग कर ट्रैफिक डायवर्ट किया, जिससे शहर के विभिन्न हिस्सों में लंबा जाम लगा। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने नर्मदापुरम रोड स्थित सरकारी और निजी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया। हजारों लोगों को कार्यालय, स्कूल और अस्पताल पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

किसानों की प्रमुख मांगें

मूंग की शत-प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदी।एमएसपी को कानूनी गारंटी।ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करना।खाद और कृषि संबंधी संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता।लंबित भुगतान और किसानों से जुड़े वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना।

फिल्मी सितारों को नहीं, माता-पिता और महापुरुषों को बनाएं रोल मॉडल : स्वामी रामदेव

हरिद्वार, 29 जुलाई (हि.स.)। पतंजलि योगपीठ के फेज-दो स्थित योग भवन में गुरु पूर्णिमा पर आचार्यकुलम् में वैदिक रीति से 1176 विद्यार्थियों का उपनयन व वेदारंभ संस्कार हुआ। वहीं योग भवन में 111 कुण्डीय महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण का आशीर्वाद लेने हजारों शिष्य पहुंचे। यज्ञ-हवन से पूरा वातावरण भावमय रहा।

इस अवसर पर योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि हमारी संस्कृति में गुरु को साक्षात ब्रह्मस्वरूप माना गया है। आचार्यकुलम् सहित पतंजलि के सभी शिक्षा प्रकल्प गुरु-शिष्य परंपरा के अधिष्ठान हैं। उन्होंने कहा कि ÷कुछ मूर्ख गुरु-शिष्य परंपरा को गुरु की गुलामी कहते हैं, जबकि खुद वे नशा और विलासिता की गुलामी में जीते हैं।÷

फिल्मी गीतों पर प्रहार करते हुए स्वामी रामदेव ने कहा कि ÷नालायकों को अपना नायक मत बनाओ। फिल्मी डायलॉग मत बोलो। जिस दिन हम वेदों के मंत्र गुनगुनाने लगेंगे उस दिन धरती सज जाएगी।÷ उन्होंने युवाओं से कहा कि ÷फिल्मी सितारों को रोल मॉडल मत मानो। हमारे आदर्श श्रीराम,कृष्ण, ऋषि-ऋषिकाएं और वीर-वीरांगनाएं हैं। घर में सबसे बड़े रोल मॉडल माता-पिता, दादा-दादी हैं। उनकी वजह से ही हम यहां हैं।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने स्वामी रामदेव के चरण छूकर आशीर्वाद लिया और कहा कि ÷गुरु पूर्णिमा सकारात्मकता का पर्व है। गुरु ज्ञान सत्य के मार्ग पर ले जाता है।÷ कार्यक्रम में डॉ.ऋतंभरा शास्त्री,स्वाति मुंशी,डॉ.एनपी सिंह,अवध ओझा सहित पतंजलि के सभी प्रमुख,आचार्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्रों को परेशान करना बंद करें, नहीं तो फिर आंदोलन होगा : अभिजीत दीपके

मुंबई, 29 जुलाई, (हि.स.)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को छत्रपति संभाजीनगर में कहा कि छात्रों को परेशान करना सरकार को बंद कर देना चाहिए, नहीं तो फिर से आंदोलन किया जाएगा।

अभिजीत दीपके दिल्ली में छात्र मुद्दों को लेकर हुए लंबे विरोध प्रदर्शन के बाद आज अपने पैतृक शहर छत्रपति संभाजीनगर लौटे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में दीपके ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की। दीपके ने कहा कि दिल्ली में हुआ आंदोलन देशभर के छात्रों के अधिकारों और उनकी समस्याओं को लेकर था। इस आंदोलन को कई राज्यों के छात्रों का समर्थन मिला और इसका उद्देश्य किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के हितों की आवाज उठाना था। उन्होंने कहा कि लंबे आंदोलन के बाद भी छात्रों के मुद्दे अब भी जस के तस हैं। उनका कहना था कि आंदोलन का स्वरूप भले बदल जाए, लेकिन उसका उद्देश्य नहीं बदलेगा।

अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान कई छात्रों को पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि छात्रों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार न किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं और उनकी आवाज को दबाने की कोशिश लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। केंद्र सरकार को आत्मचिंतन की सलाह देते हुए दीपके ने कहा कि छात्रों की भावनाओं और उनकी समस्याओं को समझने की आवश्यकता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिक्षा, रोजगार और छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो इसके राजनीतिक परिणाम भी सामने आ सकते हैं। दीपके ने कहा कि छात्रों की मांगों की अनदेखी करना या आंदोलनकारियों को डराने-धमकाने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा। उनके अनुसार, संवाद और बातचीत के माध्यम से ही लोकतांत्रिक तरीके से समाधान निकाला जा सकता है।

पेपर लीक रोकथाम के लिए कानून को सख्त बनाने वाला विधेयक लोकसभा से पारित

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े मामलों में मौजूदा कानून को अधिक कठोर किए जाने वाला संशोधन विधेयक शोर-शराबे के बीच बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि उन्हें आशा थी कि सकारात्मक सुझाव प्राप्त होंगे लेकिन इस विषय पर राजनीति करने का प्रयास किया गया।

डॉ. सिंह ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक-2026 पर कल से शुरु हुई चर्चा पर आज जवाब दिया। विधेयक के पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

डॉ सिंह ने बताया कि सदन में इस विधेयक पर अनेक सदस्यों ने अपने सुझाव दिए। लगभग 40 से 45 वक्ताओं ने चर्चा में भाग लिया और विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। हालांकि उन्हें नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर हैरानी हुई। उन्होंने कहा, ÷हमें नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर हैरानी है। उन्होंने जिन अपशब्दों का इस्तेमाल किया, वे न केवल संसदीय मर्यादा के विरुद्ध हैं, बल्कि सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं के भी प्रतिकूल हैं।÷

उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम लागू किया गया था। हालांकि हाल की घटनाओं के बाद सरकार ने विशेषज्ञों की सलाह और अनुभव के आधार पर इसे और अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया। पहले भी यह अपराध संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौतायोग्य था, लेकिन अब इसके प्रावधान और सख्त किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि कदाचार में शामिल व्यक्तियों के लिए सजा तीन से पांच वर्ष के स्थान पर पांच से दस वर्ष कर दी गई है तथा जुर्माना बढ़ाकर 50 लाख रुपये तक किया गया है। सेवा प्रदाताओं पर अधिकतम जुर्माना एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है और उन्हें आठ वर्षों तक परीक्षा संचालन से वंचित किया जा सकेगा। निदेशकों और प्रबंधन से जुड़े दोषियों के लिए भी सजा और जुर्माने में वृद्धि की गई है। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सजा बढ़ाकर सात वर्ष कर दी गई है तथा जुर्माना बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये तक करने का प्रावधान किया गया है।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेंद्र सिंह ''सीताराम जी '', मुरैना, मोबाइल 6261839476
RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोवा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल एवं सीएसपी निरंजन सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी देहात निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत के नेतृत्व में पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी' नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत बुधवार को रामवीर सर कोचिंग क्लास लहार चुंगी भिण्ड में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, नशे की रोकथाम हेतु जनसहभागिता बढ़ाना तथा स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। कार्यक्रम के दौरान थाना देहात पुलिस ने कोचिंग क्लास में उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी तथा सभी को नशामुक्ति की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने बताया कि नशे की लत से अपराध, सड़क दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा तथा आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं में वृद्धि होती है। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। युवाओं से विशेष रूप से आह्वान किया गया कि वे खेल, शिक्षा, रोजगार एवं अन्य सकारात्मक गतिविधियों को अपनाकर अपने जीवन को सफल बनाएं तथा किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहें। कार्यक्रम में कोचिंग संचालक रामवीर सर एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

दंदरौआ धाम में दिनभर चला गुरु पूर्णिमा महोत्सव

निज संवाददाता

भिण्ड। जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल ददरौआ धाम में गुरु पूर्णिमा के मौके पर गुरु-शिष्य की परंपरा के चलते बुधवार को धाम परिसर में महामण्डलेश्वर रामदास महाराज के शिष्यों लाखों की संख्या में भीड़ रही। सभी शिष्यों ने अपने गुरु का पूजन कर उन्हें शॉल एवं श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही कई लोगों ने महाराज जी से गुरु दीक्षा भी ली। बताया जाता है कि परंपरा के अनुसार गुरु पूर्णिमा पर ली गई दीक्षा का विशेष महत्व होता है।

इस अवसर पर महंत रामदास महाराज ने कहा कि जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, वैसे ही गुरु-चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण का भाव हो गया तो जीवन का कल्याण अवश्य होगा। इस मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने हनुमानजी के दर्शन कर महामंडलेश्वर रामदास महाराज से आशीर्वाद लिया।

गुरु पूर्णिमा के मौके पर इटावा निवासी अंशू तिवारी ने सभी श्रद्धालुओ को भण्डारा एवं वस्त्र भी बांटे। गायक सोनू जादौन एवं पवन शास्त्री ने मन्दिर परिसर में भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया। मन्दिर परिसर में रामवरन पुजारी, जलज त्रिपाठी, ओमप्रकाश पुरोहित, एडवोकेट विनोद दीक्षित, राजेन्द्र दद्दा, कपिल भारद्वाज, खड़क सिंह, नरसी दद्दा सहित अनेक शिष्यगण मौजूद रहे।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

निज संवाददाता

भिण्ड। मालनपुर थाना क्षेत्र के वार्ड क्र.13 स्थित एक किराए के मकान में रह रहे 37 वर्षीय युवक ने मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मालनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

जानकारी के अनुसार मृतक पूरन पुत्र शिवचरण माहौर उम्र 37 साल निवासी ग्राम छरेटा, हाल वार्ड क्र.13 नीरज साहू के मकान में अपनी पत्नी दो बेटी एक बच्चे के साथ किराए से रहता था, जो मालनपुर की एलेकजर प्लाईवुड कंपनी में ठेकेदारी की तरफ से कार्य करता था। मंगलवार बुधवार की रात युवक ने फांसी लगा ली, इसकी जानकारी सुबह रोजाना की तरह टिफिन खाना बनाने के लिए छत से नीचे उसकी बीबी आई तो उसने देखा पति कमरे में फांसी पर लटका हुआ है और वह यह देखकर अक्की बक्की रह गई। इसकी सूचना उसने अपने रिश्तेदारों परिवारजनों को दी। इसकी सूचना थाने में मिलते ही पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों सहित अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

कुण्डेश्वर मन्दिर में होगा एक माह तक अखण्ड ऊँ नमः शिवाय जाप, रोज बनेंगे पार्थिव शिवलिंग

निज संवाददाता

भिण्ड। शहर कोतवाली के सामने स्थित कुण्डेश्वर महादेव मन्दिर उदासीन आश्रम पर श्रावण मास में मन्दिर में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर मन्दिर प्रबंधन और पुजारी विजय महाराज द्वारा पत्रकारवार्ता का आयोजन किया। इस अवसर पर श्रीकृष्ण शर्मा, स्कंदबाबू पाण्डे, बाबा पुरुषोत्तम दास मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि स्वामी दयानंद महाराज के निर्देशन में कुण्डेश्वर महादेव मन्दिर में श्रावण मास में अखण्ड ऊँ नमः शिवाय पंचाक्षर महामंत्र का जाप पिछले 6 वर्षों से चल रहा है। इस बार भी 29 जुलाई से आरंभ हो गया है, जो 28 अगस्त तक समस्त भक्तों द्वारा पूरे श्रावण मास में 24 घण्टे अनवरत जारी रहेगा। यह कार्य समस्त भक्तों के दुखों कष्टों को दूर करने व राष्ट्र कल्याण और विश्व कल्याण की भावना किया जा रहा है। इसी के साथ इस वर्ष पूरे श्रावण मास गुरुदेव के उत्तम स्वास्थ्य को लेकर हर रोज सुबह 8 बजे से 12 बजे तक असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण सामूहिक महा अभिषेक किया जाएगा। इसमें भक्त एक दिन का यजमान बनकर अपने नाम से पूजा करवा सकते हैं। महारुद्र अभिषेक के समस्त सामग्री मन्दिर द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। भक्त अपने साथ पूजा के लिए फल पुष्प दूध दही इत्यादि समाग्री घर से ला सकते हैं।

मंदिर की दुकानों पर कब्जा हटवाया जाए

मन्दिर पुजारी विजय महाराज बताया कि कुण्डेश्वर महादेव उदासीन आश्रम में कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है, जो कि खाली नहीं कर रहे हैं, दुकानदारों ने जबरदस्ती दुकानों पर कब्जा कर उनको दूसरे लोगों को किराए पर दिया है। मन्दिर प्रबंधन द्वारा बहुत बार जिलाधीश व एसडीम ऑफिस में चक्कर लगाकर आवेदन दिए जिसमें निरवर्तमान कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव द्वारा एसडीम से जांच कर कर नगर पालिका आरआई रिपोर्ट, पीडब्लूडी से फिटनेस रिपोर्ट, तहसील से आरआई और पटवारी द्वारा रिपोर्ट सभी में सभी दुकानों को कण्डम घोषित किया गया है। इसकी रिपोर्ट आने के उपरांत भी जिलाधीश और एसडीएम ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। सभी दुकानें जर्जर हालत में हैं, इसमें श्रावण मास में अधिक भक्त आने से घटना दुर्घटना की भी संभावना हो सकती है। पुजारी ने निवेदन किया है कि शासन प्रशासन कार्रवाई कर इन दुकानों को छुड़वाए, जिससे जान माल की रक्षा हो सके अन्यथा किसी भी घटना दुर्घटना के लिए शासन-प्रशासन जिम्मेदार होगा।

अभिभाषक स्वरुप नारायण दीक्षत का निधन

निज संवाददाता

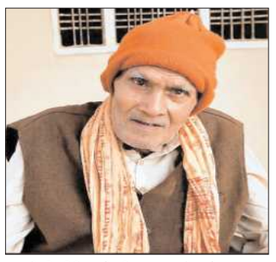

मेहगांव। मेहगांव कस्बे के वरिष्ठ समाजसेवी अभिभाषक स्वरूप नारायण दीक्षत का आज 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उसके अंतिम संस्कार में कस्बे के गणमान्य नागरिक एवं आस-पास क्षेत्र से नाते रिश्तेदार मित्रगण काफी संख्या में सम्मिलित हुए। मुखाग्नि जैष्ठ पुत्र प्रताप नरायण दीक्षत ने दी। समाजसेवी दीक्षित के निधन पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं समाज सेवियों ने शोक व्यक्त किया है।

गायत्री परिवार की बहनों ने गुरु पूर्णिमा पर किया 9 कुण्डीय महायज्ञ

निज संवाददाता

भिण्ड। श्रीराम गायत्री महिला मण्डल के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और समर्पण के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मां गायत्री परिवार की बहनों द्वारा नौ कुण्डीय हवन-यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां गायत्री की विधिवत पूजा-अर्चना, आरती एवं वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्वान आचार्यों के सानिध्य में 9 कुण्डीय यज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विश्व शांति एवं जन-कल्याण की कामना को लेकर आहुतियां समर्पित की गईं। पूरा वातावरण गायत्री महामंत्र के जापों से गुंजायमान हो उठा।

पर्यावरण संरक्षण और गुरु भक्ति का संदेश

धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ बहनों ने सामाजिक व पर्यावरणीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधारोपण किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को 'एक पौधा गुरु के नाम' लगाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। मण्डल की बहनों ने इस पावन अवसर पर एक-दूसरे के साथ जन्मदिन की खुशियां भी बांटीं और गुरुदेव के विचारों पर चलने का संकल्प लिया।

यज्ञ और पौधारोपण ही सच्चा गुरु पूजन

श्रीराम गायत्री महिला मण्डल की बहनों ने संदेश देते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दिवस है। पर्यावरण की रक्षा और यज्ञीय परंपरा को आगे बढ़ाना ही गुरुदेव के प्रति सच्ची श्रद्धा और समर्पण है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया

सीजी पावर कंपनी में फिर हादसा, करंट से श्रमिक की मौत

- गुस्साए परिजनों ने फैक्ट्री गेट पर शव रखकर किया प्रदर्शन

निज संवाददाता

भिण्ड। औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर स्थित सीजी पावर कंपनी में एक बार फिर लापरवाही के चलते बड़ा हादसा हो गया। करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हुए 30 वर्षीय श्रमिक विनोद उर्फ लल्ला पुत्र भूरासिंह श्रीवास निवासी रिठौराकलां की इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने कंपनी गेट पर शव रखकर प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार विनोद 22 जुलाई को रोज की तरह ड्यूटी पर गया था। कंपनी प्रबंधन ने उसे टेस्टिंग प्लांट में काम पर लगा दिया था, जहां नवनिर्मित ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग होती है। आरोप है कि काम के दौरान विनोद के पास न तो कोई सुरक्षा उपकरण था और न ही मौके पर कोई जिम्मेदार सुपर वाइजर या ऑपरेटर मौजूद था। इसी दौरान ट्रांसफार्मर से करंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कंपनी प्रबंधन द्वारा उसे आनन-फानन में ग्वालियर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान बुधवार 29 जुलाई को उसने दम तोड़ दिया।

श्रमिक की मौत की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण सरपंच के साथ बड़ी संख्या में कंपनी पहुंचे और गेट पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज करने और उचित मुआवजे की मांग की। सूचना पर मालनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सोनी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। गोहद चौराहा सहित अन्य थानों का अतिरिक्त बल भी बुलाया गया। गोहद एसडीएम राकेश श्रीवास्तव और पटवारी संजय शर्मा भी मौके पर पहुंचे। पुलिस-प्रशासन की मध्यस्थता में परिजनों और कंपनी प्रबंधन के बीच बातचीत हुई। कंपनी प्रबंधन द्वारा परिजनों की मांगों पर सहमति जताने के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ और शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

कंपनी में हादसों की झड़ी

स्थानीय लोगों का कहना है कि सुरक्षा नियमों को लेकर लापरवाह सीजी पावर कंपनी अब मौत की कंपनी के नाम से जानी जाने लगी है। पूर्व में भी यहां एक श्रमिक के ऊपर दीवार गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और लंबे समय तक उपचार के बाद अपंग हो गया था। एक सुरक्षा गार्ड की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। वहीं पिछले महीनों गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड मजीद खान को बदमाशों ने गोली मार दी थी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर अपंग जीवन जीने को मजबूर है। लगातार हो रहे हादसों के बाद भी कंपनी प्रबंधन के कान पर जूं तक नहीं रेंग है।

सांदीपनी उमावि लहार में धूमधाम से मनाया गुरुपूर्णिमा महोत्सव

- बीईओ, बीआरसी लहार, सांदीपनी प्राचार्य ने साधु संतों, महात्माओं और पुजारी का किया सम्मानित

निज संवाददाता

लहार। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर शा. सांदीपनी (सीएम राइज) उमावि लहार में भव्य आयोजन किया गया, जिसमें नगर और आस-पास क्षेत्र के साधु-संतों, महात्माओं, पुजारी महाराज एवं जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों और कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया।

गुरुपूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विनय झा एडवोकेट, चंद्रशेखर उपाध्याय एडवोकेट जिला मंत्री, केदार सिंह राजावत वरिष्ठ पार्षद और विशिष्ठ अतिथि के रूप में रामकुमार शर्मा एडवोकेट, पं. शिवकुमार गोस्वामी, पं. मलखान गौड़ और पं. स्वतंत्र दास महाराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ

अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा का पूजन एवं तिलक, माल्यार्पण कर किया। इसी क्रम में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लहार प्रेमसिंह बघेल, खण्ड स्त्रोत समन्वयक अजय कुमार झा और सांदीपनी प्राचार्य महावीर प्रसाद गुप्ता द्वारा किया गया।

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर उपस्थित बच्चों को उज्जैन से मुख्यमंत्री का लाइव प्रसारण भी प्रोजेक्टर के माध्यम से संस्था प्राचार्य के सहयोग से दिखाया गया और उपस्थित अतिथियों ने गुरुपूर्णिमा और गुरु की महिमा पर अपने अपने विचार प्रकट किए। बच्चो के जीवन मे गुरु का महत्व और गुरु का अर्थ के साथ अनेक शिक्षाप्रद व्याख्यान उपस्थित अतिथियों द्वारा बच्चो को सुनने को मिले। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का भी सम्मान प्राचार्य के सहयोग से अध्यनरत बच्चो द्वारा तिलक, माल्यार्पण और श्रीफल व पेन भेंट कर किया।

इस अवसर पर ब्लॉक समन्यवक साक्षरता जानकी नंदन समाधिया, शा. पीएमश्री के प्रधानाध्यापक प्रशांत त्रिपाठी, सांदीपनी विद्यालय कैम्पस-2 के प्रधानाध्यापक रविन्द्र दोहरे, शामावि क्र.3 सके जय कांकोरिया, जनशिक्षक बृजेन्द्र सविता, सलीम खान, संतोष परिहार, शैलेन्द्र गुप्ता, शिक्षक संजय वर्मा, नरेश शर्मा, केएन श्रीवास्तव, महेश दीक्षित, चंद्रशेखर पाण्डेय, जितेन्द्र सिंह राजावत, चंद्रप्रकाश शर्मा, अशोक कुमार मिश्रा, वीरपाल सिंह सेंगर, दीपेन्द्र सिंह राजावत, केएन श्रीवास्तव, मोहित ओझा, सोमबती, साधना सिंह, नीतू सिंह, बंदना राठौर, नीलम सहित समस्त स्टाफ और नगर के शिक्षक/ शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

गायत्री प्रज्ञापीठ में गुरु पूर्णिमा को 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ आयोजित

निज संवाददाता

भिण्ड। शहर के कुम्हरौआ रोड पर स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ परिसर में गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण गुरु पूर्णिमा पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण एवं जन-जन के सुख-समृद्धि की कामना के साथ आहुतियां अर्पित की। गायत्री महायज्ञ के साथ विभिन्न प्रकार के संस्कारों का आयोजन किया गया। इस मौके पर 10 परिजनों द्वारा दीक्षा ली गई और 2 जन्मदिन संस्कार हुए, जिसमें उपस्थित परिजनों ने भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति अपनी निष्ठा को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

विशेष आकर्षण के रूप में शांतिकुंज हरिद्वार से लाए गए शक्ति कलश का पूजन अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने शक्ति कलश के दर्शन एवं पूजन कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम के दौरान सत्येन्द्र सिंह राजावत, बच्चू सिंह नरवरिया ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधनों में गुरु पूर्णिमा के

आध्यात्मिक महत्व, गुरुसत्ता के प्रति समर्पण तथा युग निर्माण अभियान में प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने गायत्री परिवार के आदर्शों को जीवन में अपनाकर समाज में नैतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जागरण का संदेश दिया। समूचा वातावरण गायत्री मंत्र, यज्ञीय सुगंध एवं गुरु भक्ति से ओत-प्रोत रहा। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने गुरुसत्ता के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए राष्ट्र एवं समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर सेवा, साधना और स्वाध्याय का संकल्प लिया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के सैकड़ों महिला एवं पुरुष मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर राजू भाई से मिलने वालों का दिनभर लगा तांता

भाई जी की समाधि पर पुष्पांजलि, सर्वधर्म प्रार्थना के बीच सेवा, शांति और सामाजिक समरसता का दिया संदेश

निज संवाददाता

जौरा। महात्मा गांधी सेवा आश्रम, जौरा में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, सादगी और गांधीवादी मूल्यों के साथ गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर देश के प्रख्यात गांधीवादी चिंतक तथा आदिवासियों के जल, जंगल और ज़मीन के अधिकारों के लिए सतत संघर्षरत सामाजिक कार्यकर्ता राजगोपाल पी. वी. राजू (राजू भाई) के दर्शन, आशीर्वाद और मार्गदर्शन के लिए दिनभर समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, युवाओं तथा विभिन्न राज्यों से आए सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों का तांता लगा रहा। आश्रम पूरे दिन सेवा, सद्भाव, संवाद और जनचेतना का केंद्र बना रहा।

राजू भाई ने महान गांधीवादी समाजसेवी स्वर्गीय डॉ. एस. एन. सुब्बाराव %भाई जी% की समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके शांति, सेवा, राष्ट्रीय एकता और मानवीय मूल्यों पर आधारित जीवन-दर्शन का स्मरण कराया। उन्होंने उपस्थित युवाओं एवं कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे भाई जी के आदर्शों, त्याग, तपस्या और लोकसेवा की परंपरा से प्रेरणा लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य करें।

इस अवसर पर भाई जी का प्रिय भजन एवं सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें प्रेम, सद्भाव, विश्वबंधुत्व और मानवीय एकता का संदेश दिया गया। श्रद्धालुओं ने भाई जी के बताए मार्ग पर चलने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

प्रातःकाल राजू भाई ने भाई जी बाल मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल के विद्यार्थियों के साथ प्रार्थना की तथा भाईचारे, सहयोग, समभाव और नैतिक मूल्यों पर आधारित प्रेरणादायी एवं मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से आए सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने राजू भाई से भेंट कर गरीब, असहाय एवं वंचित वर्गों की सेवा तथा जनसमस्याओं के समाधान के संबंध में मार्गदर्शन और सहयोग का आग्रह किया। राजू भाई ने प्रतिनिधिमंडलों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श कर जनहित के मुद्दों पर समन्वित प्रयासों एवं प्रभावी कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार करने पर बल दिया।

इस अवसर पर महेश दत्त मिश्रा, नगर परिषद अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी, राकेश दीक्षित, रामदत्त सिंह तोमर, गांधी आश्रम के सचिव दिलीप जैन, संयुक्त सचिव प्रफुल्ल श्रीवास्तव , देवेन्द्र बना मुनेश सिंह जाटव,बहादुर सिंह, आदि सहित आजमगढ़ से आनंद सिंह, उमाशंकर शर्मा, संजय भास्कर भी उपस्थित रहे अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं गांधीवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने राजू भाई का आत्मीय स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया।

गुरु पूर्णिमा पर सुजागृति द्वारा पौधा रोपण एवं गोष्ठी

निज संवाददाता

गुरु पूर्णिमा पर सुजागृति द्वारा पौधा रोपण एवं गोष्ठी

वर्ष 2026 में गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई, बुधवार को मनाई जारही है। यह पवित्र दिन महर्षि वेद व्यास के जन्म और उनके सम्मान में समर्पित है। इस दिन लोग अपने गुरुओं की पूजा करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं।के रूप में मनाया जाता है। आज के दिन वृक्षारोपण कार्य बड़ा फलदाई होता है आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस भी है। जंगलों में सही मायने में जिनकी बादशाहत होती है वह है बाघ। आज दो जंगली जीवो का प्रमुख दिन है। इसलिए आज पौधारोपण करना बड़ा महत्व है तथा जंगल का संरक्षण और संवर्धन करना मनुष्य मात्र के लिए बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि जंगल ही मनुष्य के फेफड़े हैं। जिनके प्राण वायु मिलती है आज इस अवसर पर सुजागृती समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा 29.7.2026 को ग्राम श्यौरी में देवेंद्र सिंह सिकरवार के कृषि फार्म में पौधारोपण एवं गोष्ठी कार्यक्रम किया गया यहां पिछले वर्ष भी 60 पौधे संस्था की तरफ से रोपण किए गए थे आज ग्राम वासियों को पेड़ लगाना सिखाया गया तथा पेड़ों से क्या लाभ है। वह बताया गया तथा पेड़ों का रखरखाव कैसे करें वह भी शिखाया आज पिछले पेड़ों की सफाई भी कराई गई और उनकी थाले भी बनवाएं गेये। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह तोमर साहब देवेंद्र सिंह सिकरवार वृंदावन सिंह कंसाना एवं ग्राम वासियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया यह कार्यक्रम सुजागृती समाज सेवी संस्था के अध्यक्ष जाकिर हुसैन द्वारा कराया गया।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की वार्षिक सदस्यता अभियान हुआ प्रारंभ

सदस्यता संगठन की रीढ़ है। और संगठन सर्वोपरि है। - पवनसिंह

निज संवाददाता

मुरैना। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की वार्षिक सदस्यता अभियान का शुभारंभ शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल खांडोली से किया गया। इस अवसर पर संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष रामबरन सिंह सिकरवार ने शिक्षकों को संगठन की नीति, रीति और उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं और शिक्षकों की समस्याओं के समाधान तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने सभी शिक्षकों से संगठन की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष पवन सिंह परिहार ने शिक्षकों से वार्षिक सदस्यता अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति उसके सदस्यों से होती है। अधिक से अधिक शिक्षक संगठन से जुड़ेंगे तो शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन के समक्ष रखा जा सकेगा और उनके समाधान के लिए मजबूती से प्रयास किए जा सकेंगे।

जिलाध्यक्ष पवन सिंह परिहार ने शिक्षकों से संवाद करते हुए उनकी विभिन्न समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की। इस दौरान शिक्षकों ने वेतन ,पदोन्नति, कृम्मोन्नति , ष्टएरियर, सेवा संबंधी समस्याओं सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों से शिक्षको को अवगत कराया। जिलाध्यक्ष ने शिक्षकों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को उचित माध्यम से संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा तथा समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए सदस्यता अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ने जिले के सभी शासकीय अशासकीय विद्यालयों एवं कॉलेज में कार्यरत शिक्षकों से अपील की कि वे वार्षिक सदस्यता अभियान से जुड़कर संगठन को मजबूत बनाएं, ताकि राष्ट्र हित,छात्र हित,समाजहितऔर शिक्षा व्यवस्था के विकास के लिए प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सके।आज की सदस्यता मुख्य रूप से प्राचार्य मोहन प्रकाश शर्मा,अखलेश वन, महेश गुर्जर,उमेश सिकरवार,कप्तान कुशवाह,राम अवतार सिंह इन्दोलिया,कल्याण सिंह, डम्बर सिंह, श्रीमतीनिर्मला सिकरवार, मनीष शर्मा,उमेश अवस्थी ,उमेश चौधरी, सुखियाराम भगत ,आलोक उपाध्याय ,गिर्राज खरे, बनवारी लाल कुशवाह,वेद प्रकाश शर्मा,जितेंद्र राजौरिया,गणेश शर्मा ,आयुष तोमर आदि शिक्षक सम्मिलित रहे ।

शासकीय महाविद्यालय जौरा में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया

निज संवाददाता

जौरा। भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय महाविद्यालय जौरा में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व, उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता की भावना को जागृत करना तथा विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. एच. एन. सिंह हाड़ा के प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही व्यक्ति के जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं तथा ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण में उनकी भूमिका सर्वोपरि होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सदैव सम्मान एवं अनुशासन का भाव बनाए रखने का आह्वान किया।

इसके पश्चात डॉ. चमन प्रकाश विमल ने भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की गौरवशाली विरासत पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का आधार गुरु हैं और उनके मार्गदर्शन से ही समाज एवं राष्ट्र का समग्र विकास संभव है।

इसके उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं विज्ञान संकाय के प्रभारी प्रो. विनोद कुशवाह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों को गुरु के आदर्शों का अनुसरण करते हुए सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का संदेश दिया। वहीं प्रो. अशोक कुमार ने गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण एवं अनुशासित जीवन के महत्व पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. रमेश कुमार ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता में सभी के सहयोग की सराहना की।

कार्यक्रम का प्रभावी एवं सुव्यवस्थित संचालन डॉ. सुधीर कुमार पाठक द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में प्रो प्रफुल्ल भौमिक, डॉ. नीलम राजपूत, श्री दिनेश कुमार, श्री हरिओम ओझा, श्री प्रशांत शर्मा, श्री हेमंत पाराशर, श्री संदीप बंसल, श्री आशुतोष जैन, श्री विनोद दौनेरिया, श्री मुलायम सिंह, श्री राजेंद्र प्रजापति सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए किया गया।

कलेक्टर श्री वर्मा ने अभिभावकों को लिखा खुला खत

बाल विवाह न करें और न करने दें- कलेक्टर वर्मा

निज संवाददाता

शिवपुरी, कलेक्टर एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी श्री अर्पित वर्मा ने जिले के समस्त अभिभावकों के नाम एक खुला पत्र जारी कर बच्चों के सुरक्षित, शिक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि जिले की प्रगति, खुशहाली और समृद्ध भविष्य के लिए प्रत्येक बच्चे का सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में पालन-पोषण होना अत्यंत आवश्यक है।

कलेक्टर ने अपने संदेश में कहा कि बच्चे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। स्वस्थ, शिक्षित और सुरक्षित बचपन ही एक सशक्त समाज की आधारशिला है। बच्चों के प्रति उपेक्षा, हिंसा, यौन शोषण, बाल श्रम एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियां उनके विकास और भविष्य को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह बच्चों के अधिकारों की रक्षा करते हुए उन्हें सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने में अपनी भूमिका निभाए।

उन्होंने कहा है कि परिवार और समाज बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। प्रत्येक बच्चे को भेदभाव, शोषण, उपेक्षा और हिंसा से मुक्त वातावरण में आगे बढ़ने का अधिकार है। बच्चों के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए उनके साथ संवेदनशील, मैत्रीपूर्ण और सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने विशेष रूप से बाल विवाह को गंभीर सामाजिक समस्या बताते हुए कहा कि यह बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य के अधिकारों का हनन करता है। बाल विवाह कानूनन दंडनीय अपराध है, फिर भी सामाजिक जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता की कमी के कारण यह चुनौती बनी हुई है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश को बाल विवाह मुक्त बनाना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव है, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इस अभियान का सक्रिय भागीदार बने।

कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे स्वयं बाल विवाह न करें और न ही अपने आसपास होने दें। यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना प्राप्त हो तो तत्काल पुलिस एवं जिला प्रशासन को सूचित करें। आपका एक कदम किसी बच्चे के जीवन को सुरक्षित एवं बेहतर भविष्य प्रदान कर सकता है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिलेवासियों के सहयोग, जागरूकता एवं सक्रिय सहभागिता से बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने में निश्चित रूप से सफलता मिलेगी तथा प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, शिक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

सूचना एवं सहायता के लिए संपर्क करें
पुलिस- 112
चाइल्ड हेल्पलाइन- 1098
महिला हेल्पलाइन- 181
जिला कंट्रोल रूम- 07492356963

जिले में अब तक 174.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

निज संवाददाता

मुरैना, 29 जुलाई 2026/मुरैना जिले में 1 जून से 29 जुलाई 2026 तक 174.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। यह गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 491.5 मिलीमीटर कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि तक जिले में 666.3 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

तहसीलदार, भू-संसाधन प्रबंधन ने बताया कि बुधवार, 29 जुलाई को जिले में औसतन 12.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। तहसीलवार वर्षा के अनुसार मुरैना में 56.6, जौरा में 11, कैलारस में 5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जबकि पोरसा, अंबाह और सबलगढ़ में वर्षा निरंक पायी गई है।

1 जून से 29 जुलाई 2026 तक जौरा में सर्वाधिक 267 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। इसके अलावा पोरसा में 209.5, मुरैना में 204, कैलारस में 185, अंबाह में 95.4 तथा सबलगढ़ में सबसे कम 88 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले की सामान्य औसत वार्षिक वर्षा 706.9 मिलीमीटर है।

दबंगों ने आदिवासियों की जमीन पर किया अवैध कब्जा, विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

एसपी कार्यालय पहुंचीं आदिवासी महिलाएं..... शिकायती आवेदन देकर न्याय की लगाई गुहार

सुरवाया थाना पुलिस पर सुनवाई न करने और भगाने का आरोप

निज संवाददाता

शिवपुरी / जिले के सुरवाया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करई सुरवाया की निवासी आदिवासी महिलाओं ने दबंगों पर उनकी कीमती भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। बुधवार को पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई और एक लिखित आवेदन सौंपा।

आवेदन पत्र के अनुसार, प्रार्थिया गोमती आदिवासी, ज्योति आदिवासी (पत्नी रवि आदिवासी) और विज्जो आदिवासी (हाल निवासी वार्ड नं. 24, महल सराय, शिवपुरी) ने बताया कि उनकी ग्राम भगोरा स्थित सर्वे नंबर 1022 की 0.5800 हेक्टेयर (लगभग 3 बीघा से अधिक) कृषि भूमि पर ग्राम भगोरा निवासी राजेन्द्र गुर्जर, भूरा गुर्जर एवं उनके अन्य भाइयों ने गुंडागर्दी और आतंक के बल पर जबरन कब्जा कर लिया है।

जमीन में गाड़ देने की दी जा रही धमकी

पीड़ित महिलाओं का कहना है कि जब भी वे अपनी जमीन पर फसल बोने या खेती कार्य करने जाती हैं, तो आरोपी उन्हें गाली-गलौज करते हुए जान से मारने और इसी जमीन में जिंदा गाड़ देने की धमकियां देते हैं। दबंगों का कहना है कि 'अगर वापस इस जमीन पर आए तो जान से मार देंगे।'

थाना पुलिस पर लगाया सुनवाई न करने का आरोप

आदिवासी महिलाओं ने स्थानीय सुरवाया थाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर वे पहले भी 4 से 5 बार सुरवाया थाने में शिकायत दर्ज कराने जा चुकी हैं। आरोप है कि पुलिसकर्मी टालमटोल (खाना-पूर्ति) करके उन्हें भगा देते हैं और आवेदन पत्र की पावती (रिसीविंग) तक नहीं देते।

भूखे मरने की आई नौबत

पीड़ितों ने बताया कि वे अत्यंत गरीब आदिवासी परिवार से हैं और मजदूरी कर किसी तरह अपना गुजर-बसर करते हैं। जीवनयापन का एकमात्र जरिया यही जमीन थी, जिस पर अब दबंगों ने कब्जा कर लिया है। जमीन छिन जाने के कारण अब उनके परिवार के सामने भूखे मरने की नौबत आ गई है।

जमदारा में जमीन विवाद पर हुई फायरिंग, पूर्व सरपंच समेत दस आरोपी नामजद

निज संवाददाता / भिण्ड। जिले के मौ थानांतर्गत ग्राम जमदारा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। आरोप है कि पूर्व सरपंच सहित कई लोग एकराय होकर एक परिवार के घर में घुस आए, गाली गलोज और मारपीट की तथा जान से मारने की नीयत से 15-20 राउण्ड फायरिंग कर दी। फायरिंग में एक बुजुर्ग के पैर में गोली के छर्रे लगे, जबकि घर के बाहर खड़ी स्कार्पियो के शीशे भी क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 36 वर्षीय सूरज पुत्र मायाराम सिंह गुर्जर निवासी ग्राम जमदारा ने शिकायत की कि सोमवार की शाम करीब छह बजे वह अपने घर के आंगन और बैठक में मौजूद था। इसी दौरान गांव के पूर्व सरपंच सुरेन्द्र गुर्जर पुत्र किलेदार सिंह, ध्यानेन्द्र गुर्जर एवं अतेन्द्र सिंह गुर्जर पुत्रगण किलेदार सिंह गुर्जर, चंद्रपाल सिंह गुर्जर, यशपाल सिंह पुत्रगण सुरेन्द्र सिंह गुर्जर, दामोदर उर्फ ऋषि पुत्र अतेन्द्र सिंह गुर्जर, हिमांशु पुत्र ध्यानेन्द्र सिंह गुर्जर, राजा पुत्र रणवीर सिंह गुर्जर और तीन चार अज्ञात लोग सभी निवासी ग्राम जमदारा एक राय होकर उनके घर में घुस आए। फरियादी ने बताया कि आरोपियों ने जमीन विवाद को लेकर गाली गलोज करते हुए उसके और उसके पिता मायाराम गुर्जर, चाचा केशव सिंह गुर्जर तथा चचेरे भाईयों बलबीर सिंह और संदीप सिंह गुर्जर के साथ मारपीट की, इसके बाद आरोपियों ने बंदूक, कट्टों से ताबड़तोड़ 15 से 20 राउण्ड फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान एक गोली का छर्रा मायाराम गुर्जर के बांए पैर के घुटने के पास लगा, जिससे वे घायल हो गए। वहीं घर के बाहर खड़ी स्कार्पियो के शीशे भी गोलियों से टूट गए। घटना की सूचना मिलते ही मौ पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए तथा फरियादी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, बलवा, मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

संपादकीय

लोकसभा से नकल विरोधी संशोधन विधेयक 2026 को मंजूरीः युवाओं के भविष्य की सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम

डॉ भूपेन्द्र कुमार

प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल और संगठित परीक्षा-कदाचार के खिलाफ केंद्र सरकार ने अब कानून को और अधिक कठोर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को लोकसभा से मंजूरी मिलना इस व्यापक विमर्श का महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह विधेयक वर्ष 2024 के सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) कानून में संशोधन करता है और इसका उद्देश्य परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, निष्पक्षता तथा अभ्यर्थियों के विश्वास को मजबूत करना है। विधेयक में पेपर लीक, संगठित नकल और अन्य अनुचित साधनों के मामलों में दंड को और कठोर बनाने के साथ-साथ जांच और न्यायिक प्रक्रिया को तेज करने पर जोर दिया गया है।

संशोधन विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि अब केवल अपराध को रोकने की बात नहीं की जा रही, बल्कि अपराध होने के बाद त्वरित जांच और शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। प्रस्तावित प्रावधानों में विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों के माध्यम से तेजी से सुनवाई, विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति तथा अपीलों के समयबद्ध निपटारे की व्यवस्था शामिल है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है कि परीक्षा में अनियमितता करने वालों के मन में कानून का भय हो और ईमानदारी से परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को यह विश्वास मिले कि उनकी मेहनत के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

प्रस्तावित संशोधनों में विभिन्न अपराधों के लिए सजा और जुर्माने को भी बढ़ाने का प्रावधान है। उदाहरण के तौर पर, अनुचित साधनों का उपयोग करने वाले व्यक्ति के लिए सजा की अवधि बढ़ाकर पांच से दस वर्ष और जुर्माना अधिकतम 50 लाख रुपये तक करने का प्रस्ताव है। सेवा प्रदाताओं से संबंधित अपराधों के लिए जुर्माने को बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये तक करने तथा संगठित परीक्षा अपराधों के मामलों में न्यूनतम सजा और जुर्माने को और कठोर करने का प्रस्ताव है। इससे यह संदेश जाता है कि पेपर लीक और संगठित नकल अब केवल परीक्षा संबंधी अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि गंभीर आपराधिक कृत्य के रूप में देखे जाएंगे।

यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी सामने आता है–क्या केवल कानून को कठोर बना देने से परीक्षा व्यवस्था में सुधार हो जाएगा इसका उत्तर है–नहीं। कानून आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं। परीक्षा प्रणाली की पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित बनाना भी उतना ही जरूरी है। प्रश्नपत्र की छपाई, सुरक्षित भंडारण, परिवहन, डिजिटल सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और परिणाम तैयार करने तक हर स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी।

लोकसभा में इस विधेयक का पारित होना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संसद में चल रही उस बहस को एक ठोस विधायी परिणाम देता है जिसमें युवाओं के भविष्य और परीक्षा की विश्वसनीयता को लेकर लगातार चिंता व्यक्त की जा रही है। अब असली परीक्षा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की होगी।

यदि यह कानून कठोरता के साथ निष्पक्षता और पारदर्शिता से लागू होता है, तो इससे लाखों विद्यार्थियों के मन में यह भरोसा पैदा होगा कि उनकी वर्षों की मेहनत सुरक्षित है और किसी संगठित नकल माफिया या पेपर लीक गिरोह के कारण उनका भविष्य बर्बाद नहीं होगा।

अब संसद में गतिरोध नहीं, कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर बहस हो

नकल विरोधी संशोधन विधेयक का लोकसभा से पारित होना विपक्ष के लिए भी एक अवसर है। यदि विपक्ष ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक पर कठोर कार्रवाई और युवाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था, तो अब उसे यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार को जवाबदेह बनाना चाहिए कि नया कानून जमीन पर प्रभावी रूप से लागू हो।

संसदीय लोकतंत्र में सरकार को घेरने का सबसे प्रभावी तरीका सदन को ठप करना नहीं, बल्कि सरकार से सवाल पूछना, आंकड़े मांगना, जवाबदेही तय करना और कानून की कमियों को उजागर करना है। अब बहस इस बात पर होनी चाहिए कि फास्ट-ट्रैक अदालतें कितनी जल्दी स्थापित होंगी, जांच कितने समय में पूरी होगी, दोषियों को सजा दिलाने की व्यवस्था कितनी प्रभावी होगी और निर्दोष विद्यार्थियों को राहत देने के लिए क्या प्रावधान किए जाएंगे।

इस दृष्टि से लोकसभा द्वारा नकल विरोधी संशोधन विधेयक को मंजूरी केवल एक कानून पारित होने की घटना नहीं है, बल्कि यह भारतीय परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब संसद, सरकार, विपक्ष, न्यायपालिका और प्रशासन–सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि इस कानून को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय युवाओं के भविष्य की सुरक्षा का माध्यम बनाया जाए।

भारत के करोड़ों युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि उनके जीवन की दिशा बदलने का अवसर है। इसलिए परीक्षा में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना राष्ट्र निर्माण का विषय है। लोकसभा में पारित यह संशोधन तभी सार्थक होगा, जब इसका प्रभाव परीक्षा केंद्रों तक दिखाई दे और देश का हर ईमानदार विद्यार्थी यह विश्वास कर सके कि उसकी मेहनत का मूल्यांकन निष्पक्ष व्यवस्था में होगा।

कानून की कठोरता से अपराधियों में भय पैदा होगा, लेकिन व्यवस्था की पारदर्शिता से युवाओं में विश्वास पैदा होगा–और यही दोनों मिलकर भारत की परीक्षा प्रणाली को विश्वसनीय बना सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में पदक विजेता खिलाड़ियों को दी बधाई

निज संवाददाता

भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में भारत के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिला वेट लिफ्टिंग में 69 किग्रा की प्रतिस्पर्धा में सुश्री हरजिंदर कौर ने रजत पदक जीतकर विश्व पटल पर भारत को गौरवान्वित किया है। भारत की बेटियां, भारत का सम्मान बढ़ा रही हैं। यह उपलब्धि सुश्री कौर के कठोर तप, परिश्रम और देश के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी क्रम में कॉमनवेल्थ गेम्स की 10 मीटर की दौड़ की प्रतिस्पर्धा में श्री गुलवीर सिंह को रजत पदक जीतने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत ग्लासगो में नित नए कीर्तिमान बना रहा है। श्री गुलवीर सिंह की यह गौरवपूर्ण सफलता कठोर साधना, अनुशासित जीवन और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं दीं हैं।

रिकॉर्ड एफडीआई ने बताया क्यों है दुनिया का भारत पर भरोसा !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर वर्षों से अनेक तरह के राजनीतिक आरोप लगाए जाते रहे हैं। कभी कहा जाता है कि विदेशी निवेशक भारत से दूर जा रहे हैं, कभी यह दावा किया जाता है कि सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण वैश्विक कंपनियों का भरोसा टूट रहा है, किंतु इन तमाम विपक्षी राजनीतिक दावों को संसद में प्रस्तुत ताजा आंकड़ों ने नकार दिया है। क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 94.84 अरब डॉलर के सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का नया रिकॉर्ड बनाया है। यह इस बात का प्रमाण है कि दुनिया के बड़े निवेशक भारत को भरोसेमंद और सबसे अधिक संभावनाओं वाले देशों में मान रहे हैं।

वस्तुत- राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा प्रस्तुत आंकड़े आज बताते हैं, वित्त वर्ष 2024-25 में जहां सकल एफडीआई 80.61 अरब डॉलर था, वहीं अगले ही वर्ष यह बढ़कर 94.84 अरब डॉलर हो गया। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेट एफडीआई भी 0.96 अरब डॉलर से बढ़कर 6.95 अरब डॉलर पहुंच गया है। इसका अर्थ यह है कि विदेशी निवेशकों का वास्तविक भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि नेट एफडीआई में पहले जो गिरावट दिखाई दी थी, उसका प्रमुख कारण निवेशकों द्वारा लाभ लेकर पूंजी वापस ले जाना और भारतीय कंपनियों का विदेशों में तेजी से निवेश करना था। अर्थात भारत से पूंजी का बाहर जाना आर्थिक कमजोरी न होकर यह भारतीय उद्योगों के वैश्विक विस्तार का संकेत है।

मोदी सरकार के दौर में निवेश को किया प्रोत्साहित भारत ने वर्ष 2014 के बाद विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए व्यापक आर्थिक सुधार किए हैं। रक्षा और रेलवे का क्षेत्र हो या बीमा, नागरिक उड्डयन, कोयला अथवा अंतरिक्ष, दूरसंचार, ई-कॉमर्स, सिंगल-ब्रांड रिटेल और डिजिटल सेवाओं के साथ विनिर्माण जैसे अनेक क्षेत्र, इन सभी में एफडीआई नियमों को उदार बनाया गया।

इसके अलावा केंद्र की मोदी सरकार के मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, उत्पादन-संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, जीएसटी, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) और व्यापार सुगमता में सुधार जैसे अनेक कदमों ने भारत को निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाया।

कहना होगा कि केंद्र की भाजपा सरकार के कार्यकाल में भारत ने कई वर्षों तक 70 से 85 अरब डॉलर के बीच एफडीआई आकर्षित किया और अब 2025-26 में लगभग 95 अरब डॉलर का नया रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। वस्तुत- यह दर्शाता है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है।

किन देशों ने भारत पर सबसे अधिक भरोसा जताया?मोदी सरकार के दौरान भारत में आने वाले एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत लगातार सिंगापुर रहा है। इसके बाद मॉरीशस का स्थान आता है, जोकि लंबे समय से भारत में निवेश का प्रमुख माध्यम रहा है। इनके अतिरिक्त जिन देशों ने भारत में उल्लेखनीय निवेश किया है, उनमें अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण कोरिया, केमैन द्वीप समूह प्रमुख हैं।

हाल के वर्षों में यूएई के साथ हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के बाद वहां से निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। जापान ने औद्योगिक कॉरिडोर, मेट्रो रेल, ऑटोमोबाइल और हाई-टेक विनिर्माण में भारी निवेश किया है, जबकि अमेरिका की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत को अपने भविष्य के डिजिटल केंद्र के रूप में देख रही हैं।

केवल सेवाएं नहीं, अब विनिर्माण भी आकर्षण का केंद्रसंयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की नवीनतम विश्व निवेश रिपोर्ट बताती है कि भारत सेवा क्षेत्र तक सीमित निवेश गंतव्य से आगे बढ गया है। अब यहां इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, अक्षय ऊर्जा, रक्षा उत्पादन, ऑटोमोबाइल, लॉजिस्टिक्स और उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण में भी विदेशी कंपनियां तेजी से निवेश कर रही हैं। यही कारण है कि भारत ने वैश्विक एफडीआई रैंकिंग में दो स्थानों की छलांग लगाकर 13वें से 11वें स्थान पर पहुंचने में सफलता प्राप्त की।

ग्रीनफील्ड निवेश में भी दुनिया का विश्वासवर्ष 2025 की सबसे बड़ी घोषित ग्रीनफील्ड परियोजना भारत में आई। अमेरिका की॒द्यञ्चद्धड्डद्दह्ल ढ्ढठ्ठ. ने लगभग 14.5 अरब डॉलर के डेटा सेंटर निवेश की घोषणा की। यह परियोजना निश्चित तौर पर भारत के डिजिटल भविष्य पर वैश्विक विश्वास का प्रतीक है। इसी प्रकार पोलैंड की ॥4ठ्ठद्धह्लड्ड ने आंध्र प्रदेश में लगभग 4 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। हरित ऊर्जा, हाइड्रोजन और औद्योगिक अवसंरचना के क्षेत्र में ऐसे निवेश भारत को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार कर रहे हैं।

भारतीय कंपनियां भी बन रही हैं वैश्विक खिलाड़ीमोदी सरकार ने आंकड़ों के आधार पर यह भी बताया है कि वर्ष 2022 में लागू उदार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई) नियमों के बाद भारतीय कंपनियां विदेशों में तेजी से विस्तार कर रही हैं। टाटा समूह, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी समूह, इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, सन फार्मा, महिंद्रा समूह और अन्य भारतीय कंपनियां विश्व के अनेक देशों में निवेश बढ़ा रही हैं। वस्तुत- यह प्रवृत्ति बताती है कि भारत अब विदेशी निवेश लेने, उसे आमंत्रित करने के साथ वैश्विक निवेश करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बन रहा है।

निवेशक लाभ कमा रहे हैं, इसलिए लौट भी रहे हैंविपक्ष अक्सर विदेशी निवेशकों द्वारा पूंजी वापस ले जाने को भारत से विश्वास समाप्त होने का संकेत बताता है, जबकि आर्थिक दृष्टि से इसका दूसरा पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है। जब निवेशक अच्छा लाभ कमाते हैं तो वे अपने मुनाफे का एक हिस्सा वापस भी लेते हैं। यह किसी भी सफल निवेश गंतव्य की सामान्य प्रक्रिया होती है, इसलिए निवेश की वापसी इस बात का प्रमाण भी है कि भारत में निवेश लाभदायक रहा है। यदि निवेशकों को अपेक्षित प्रतिफल नहीं मिलता, तो वे नए निवेश की घोषणा नहीं करते, जबकि भारत में लगातार नई परियोजनाओं की घोषणा हो रही है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत–स्थिरता और विशाल बाजारविदेशी निवेशक केवल कर छूट देखकर निर्णय नहीं लेते। वे राजनीतिक स्थिरता, नीति की निरंतरता, कानून व्यवस्था, डिजिटल अवसंरचना, कुशल मानव संसाधन और विशाल उपभोक्ता बाजार को भी देखते हैं, इसलिए आज भारत निवेश आकर्षित करने में अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

आंकड़े बोलते हैं!लोकतंत्र में सरकार की नीतियों की आलोचना होना स्वाभाविक है, किंतु आर्थिक बहस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। संसद में प्रस्तुत रिकॉर्ड एफडीआई, संयुक्त राष्ट्र की विश्व निवेश रिपोर्ट, वैश्विक रैंकिंग में भारत की छलांग, ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में विश्व नेतृत्व और लगातार बढ़ता विदेशी विश्वास स्पष्ट संकेत देते हैं कि भारत आज दुनिया की सबसे आकर्षक निवेश अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है।

कहना यही होगा कि भारत में बढ़ता एफडीआई विकसित भारत की दिशा में बढ़ते विश्वास का सशक्त प्रमाण है। जब विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाएं और बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अरबों डॉलर निवेश कर रही हैं, तब यह स्वीकार करना होगा कि अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का विश्वास राजनीतिक आरोपों के सामने नहीं ठहरता, उन्हें आज केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों और भारत की बदलती आर्थिक क्षमता और स्थिर विकास यात्रा पर पूरा भरोसा है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

सावन : आस्था, प्रकृति और शिव भक्ति का पावन संगम

उदय कुमार सिंह

भारतीय सनातन संस्कृति में श्रावण मास, जिसे सामान्य रूप से सावन कहा जाता है, धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से वर्ष का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। वर्षा ऋतु के मध्य आने वाला यह महीना केवल प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि भक्ति, तप, संयम, लोकजीवन और सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि सावन का प्रत्येक दिन भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष फलदायी होता है। यही कारण है कि पूरे महीने देशभर के शिवालयों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, कांवड़ यात्रा, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रहती है।

सावन को %पावस ऋतु% का प्रमुख महीना भी कहा जाता है। इस दौरान वर्षा से धरती हरी-भरी हो जाती है, खेत-खलिहानों में नई जान आ जाती है और प्रकृति अपने सबसे सुंदर स्वरूप में दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति और अध्यात्म का गहरा संबंध माना गया है। इसलिए श्रावण मास को प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और ईश्वर के प्रति समर्पण का पर्व भी कहा जाता है।

30 जुलाई से प्रारंभ होगा श्रावण मासहिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई की रात 8 बजकर 5 मिनट से प्रारंभ होकर 30 जुलाई की रात 9 बजकर 30 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार श्रावण मास का आरंभ 30 जुलाई 2026 से होगा और इसका समापन 28 अगस्त 2026 को श्रावणी पूर्णिमा के साथ होगा। इस वर्ष सावन 31 दिनों का रहेगा।

श्रावण मास में कुल चार सावन सोमवार पड़ेंगे। पहला सावन सोमवार 3 अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त और चौथा 24 अगस्त को होगा। इन दिनों भगवान शिव के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत-पूजन का विशेष महत्व माना गया है। देशभर के प्रमुख शिवालयों में लाखों श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचेंगे।

शास्त्रों में वर्णित है सावन का महत्व

शास्त्रों में कहा गया है– श्रावणे मासि यो भक्त्या शिवलिंगं प्रपूजयेत्। सर्वपापविनिर्मुक्तः शिवलोकं स गच्छति।।

अर्थात जो श्रद्धापूर्वक श्रावण मास में शिवलिंग की पूजा करता है, वह समस्त पापों से मुक्त होकर अंततः शिवलोक को प्राप्त करता है।

शिव पुराण, स्कंद पुराण तथा लिंग पुराण में श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना के लिए सर्वोत्तम समय बताया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस महीने में किए गए जप, तप, व्रत, दान और ध्यान का फल कई गुना बढ़ जाता है। शिव पुराण के अनुसार श्रावण मास में शिवलिंग पर जल, गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं तथा साधक को विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

भगवान शिव का सर्वाधिक प्रिय माहपौराणिक कथाओं के अनुसार, श्रावण मास भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक वर्षों तक कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने श्रावण मास में उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। तभी से यह महीना शिव-पार्वती के दिव्य मिलन और अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान शिव श्रावण मास में पृथ्वी लोक पर अपनी ससुराल आते हैं। उनके स्वागत में जलाभिषेक और विशेष पूजा की परंपरा प्रारंभ हुई, जो आज भी श्रद्धापूर्वक निभाई जाती है।

समुद्र मंथन और नीलकंठ की कथाश्रावण मास का संबंध समुद्र मंथन की कथा से भी जोड़ा जाता है। पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष से संपूर्ण सृष्टि संकट में पड़ गई थी। संसार की रक्षा के लिए भगवान शिव ने उस विष का पान कर उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला हो गया और तभी से वे %नीलकंठ% कहलाए। मान्यता है कि विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवी-देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तभी से श्रावण मास में शिवलिंग पर जल अर्पित करने की परंपरा विशेष रूप से प्रचलित हुई।

सावन सोमवार का विशेष महत्वश्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को %सावन सोमवार% कहा जाता है। इन दिनों भगवान शिव के व्रत और पूजा का विशेष विधान है। विवाहित महिलाएं पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं, जबकि अविवाहित युवतियां मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करती हैं। श्रद्धालु प्रातःकाल स्नान के बाद शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं, रुद्राभिषेक कराते हैं तथा %ॐ नमः शिवाय% और महामृत्युंजय मंत्र का जप करते हैं। मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

रुद्राभिषेक और पूजन सामग्री का महत्वश्रावण मास में रुद्राभिषेक का भी विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु शिवलिंग का अभिषेक जल, गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर तथा गन्ने के रस से करते हैं। इसके बाद बेलपत्र, शमीपत्र, दूर्वा, कुश, धतूरा, भांग, आक के पुष्प तथा श्रीफल अर्पित किए जाते हैं।

शास्त्रों के अनुसार बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। तीन पत्तियों वाला बेलपत्र शिव के त्रिनेत्र, त्रिगुण और त्रिदेव का प्रतीक माना जाता है। धतूरा, आक और भांग भी शिव पूजा में विशेष स्थान रखते हैं। मान्यता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक की गई पूजा से मानसिक शांति, आरोग्य, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

कांवड़ यात्रा - आस्था का विराट स्वरूपश्रावण मास का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन कांवड़ यात्रा मानी जाती है। देशभर से लाखों श्रद्धालु गंगोत्री, हरिद्वार, गौमुख, सुल्तानगंज, देवघर तथा अन्य पवित्र तीर्थों से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए शिवधामों तक पहुंचते हैं। पूरे मार्ग में %बोल बम%, %हर-हर महादेव% और %बम-बम भोले% के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहता है।

कांवड़ बांस की बनी विशेष बहंगी होती है, जिसके दोनों सिरों पर जल से भरे कलश रखे जाते हैं। श्रद्धालु पूरे नियम और अनुशासन के साथ यात्रा करते हैं तथा शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित करते हैं।

पौराणिक मान्यता है कि सबसे पहले लंकापति रावण ने भगवान शिव को कांवड़ के माध्यम से जल अर्पित किया था। वहीं त्रेतायुग में भगवान श्रीराम द्वारा भी शिवलिंग पर जलाभिषेक किए जाने का उल्लेख मिलता है।

श्रावण मास के प्रमुख पर्व

श्रावण मास केवल शिव आराधना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अनेक महत्वपूर्ण पर्वों का भी महीना है। इस दौरान हरियाली तीज, नाग पंचमी, पुत्रदा एकादशी, कजरी तीज, रक्षाबंधन और श्रावणी पूर्णिमा जैसे पर्व मनाए जाते हैं। श्रावणी पूर्णिमा को उत्तर भारत में रक्षाबंधन, दक्षिण भारत में नारियली पूर्णिमा और अवनी अवित्तम, मध्य भारत में कजरी पूनम तथा गुजरात में पवित्रोपना के रूप में मनाया जाता है।

हरियाली तीज - प्रेम और सौभाग्य का पर्वश्रावण शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरियाली तीज मनाई जाती है। यह पर्व विशेष रूप से महिलाओं का माना जाता है। विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य और सुखी दांपत्य जीवन की कामना करती हैं, जबकि अविवाहित युवतियां योग्य वर की प्राप्ति के लिए माता पार्वती का व्रत रखती हैं। लोक परंपरा के अनुसार सावन में नवविवाहित महिलाएं अपने मायके जाती हैं। गांवों और शहरों में पेड़ों पर झूले डाले जाते हैं, महिलाएं पारंपरिक गीत गाती हैं, मेहंदी रचाती हैं और उल्लासपूर्वक तीज का उत्सव मनाती हैं। यह पर्व भारतीय लोकसंस्कृति और पारिवारिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक माना जाता है।

आस्था, अध्यात्म और प्रकृति का अद्भुत समन्वयश्रावण मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों का समय नहीं है, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन में प्रकृति, अध्यात्म और लोकसंस्कृति के अद्भुत समन्वय का प्रतीक भी है। वर्षा की हरियाली, मंदिरों में गूंजते शिव मंत्र, कांवड़ियों की पदयात्रा, लोकगीतों की मधुर स्वर लहरियां और पर्व-त्योहारों की श्रृंखला इस महीने को विशेष बना देती है।

संयम, सेवा, तप, दान, प्रकृति संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला यह पावन महीना आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। भगवान शिव की आराधना, रुद्राभिषेक, सावन सोमवार के व्रत और कांवड़ यात्रा के माध्यम से श्रद्धालु न केवल आध्यात्मिक शांति प्राप्त करते हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस प्राचीन परंपरा को भी जीवंत बनाए रखते हैं, जो प्रकृति और परमात्मा के प्रति समर्पण का संदेश देती है। यही कारण है कि श्रावण मास को सनातन परंपरा में शिव कृपा प्राप्त करने और आत्मिक उन्नति का सर्वोत्तम काल माना गया है।

नामत्सोः तिब्बत की 'स्वर्गीय झील', जहां प्रकृति, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम

ओमप्रकाश सिंह

तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में ल्हासा से लगभग 240 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम स्थित नामत्सो झील केवल एक प्राकृतिक जलाशय नहीं बल्कि तिब्बती संस्कृति, बौद्ध आस्था और वैज्ञानिक शोध का महत्वपूर्ण केंद्र है। तिब्बती भाषा में %ग्नाम त्सो% कहलाने वाली इस झील का अर्थ %स्वर्गीय झील% है। इसे तिब्बत की सबसे पवित्र झीलों में गिना जाता है और हर वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां आध्यात्मिक साधना और तीर्थयात्रा के लिए पहुंचते हैं।

समुद्र तल से करीब 4,718 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नामत्सो दुनिया की सबसे ऊंचाई पर स्थित बड़ी खारे पानी की झीलों में शामिल है। लगभग 1,920 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली यह झील करीब 70 किलोमीटर लंबी और 30 किलोमीटर चौड़ी है। इसकी अधिकतम गहराई लगभग 125 मीटर है। झील को मुख्य रूप से न्येनचेन तांगला पर्वतमाला से आने वाले हिमनदों के पिघले पानी और मौसमी जलधाराओं से जल मिलता है।

नामत्सो का प्राकृतिक सौंदर्य इसे एशिया के सबसे आकर्षक स्थलों में स्थान दिलाता है। नीले जल, बर्फ से ढंके पर्वत, विस्तृत घास के मैदान और गर्मियों में खिलने वाले जंगली फूल यहां की पहचान हैं। सर्दियों में पूरी झील बर्फ की मोटी चादर से ढंक जाती है।

कठोर जलवायु के बावजूद यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है। यहां तिब्बती हिरण, कियांग, नीली भेड़, हिमालयी मर्मोट और तिब्बती लोमड़ी जैसे दुर्लभ वन्यजीव पाए जाते हैं। झील के आसपास की आर्द्रभूमि बार-हेडेड गूज, रड्डी शेलडक, ब्राउन-हेडेड गल और संकटग्रस्त ब्लैक-नेक्ड क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों का भी महत्वपूर्ण आवास है।

नामत्सो सदियों से तिब्बती घुमंतू समुदाय %द्रोकपा% का निवास क्षेत्र रहा है। इनकी आजीविका याक, भेड़ और बकरियों के पालन पर आधारित है। पारंपरिक याक के बालों से बने तंबू, मक्खन वाली चाय, ऊनी वस्त्र और पशुपालन यहां की सांस्कृतिक पहचान हैं।

तिब्बती बौद्ध धर्म में नामत्सो को चार प्रमुख पवित्र झीलों में गिना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि झील की परिक्रमा और यहां प्रार्थना करने से पापों का नाश होता है तथा आध्यात्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है। लगभग 70 से 80 किलोमीटर लंबी %नामत्सो कोरा% परिक्रमा को अनेक श्रद्धालु कई दिनों में पैदल पूरी करते हैं, जबकि कुछ श्रद्धालु दंडवत प्रणाम करते हुए पूरी यात्रा संपन्न करते हैं। तिब्बती पंचांग के अनुसार %भेड़ वर्ष% में, जो हर 12 वर्ष में आता है, यहां हजारों श्रद्धालु एकत्र होते हैं।

बौद्ध धर्म के आगमन से पहले भी यह झील बोन धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती थी। बाद में तिब्बती बौद्ध परंपरा ने इन मान्यताओं को अपने धार्मिक दर्शन में समाहित कर लिया। झील के निकट स्थित न्येनचेन तांगला पर्वत को नामत्सो का दिव्य सहचर माना जाता है।

नामत्सो के द्वीपों और चट्टानों पर स्थित गुफाओं और आश्रमों में बौद्ध भिक्षु लंबे समय तक ध्यान और साधना करते रहे हैं। ऐतिहासिक विवरण बताते हैं कि कई साधक पूरी गर्मियां इन निर्जन द्वीपों पर बिताते थे और सर्दियों में झील जमने के बाद ही वापस लौटते थे।

धार्मिक महत्व के साथ-साथ नामत्सो वैज्ञानिक अनुसंधान का भी प्रमुख केंद्र बन चुका है। नामत्सो मल्टीस्फीयर ऑब्जर्वेशन एंड रिसर्च स्टेशन के वैज्ञानिक यहां जलविज्ञान, जलवायु, हिमनदों और पारिस्थितिकी तंत्र पर लगातार अध्ययन कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार तापमान में वृद्धि, वर्षा के बदलते स्वरूप और तेजी से पिघलते हिमनदों का असर झील के जलस्तर और पूरे तिब्बती पठार की जल प्रणाली पर दिखाई दे रहा है।

हाल के वर्षों में पर्यटन बढ़ने से नामत्सो तक पहुंच आसान हुई है। ताशी दोर प्रायद्वीप पर्यटकों के लिए प्रमुख प्रवेश द्वार बन चुका है। हालांकि पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण कचरा प्रबंधन, प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। क्षेत्रीय प्रशासन ने पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए कई संरक्षण उपाय लागू किए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि नामत्सो केवल एक झील नहीं, बल्कि तिब्बत की प्राकृतिक विरासत, सांस्कृतिक परंपरा, धार्मिक आस्था और पर्यावरणीय महत्व का जीवंत प्रतीक है। यही कारण है कि यह झील आज भी दुनिया भर के श्रद्धालुओं, पर्यटकों और वैज्ञानिकों के लिए समान रूप से आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा कर दिए निर्देश

संस्थागत प्रसव बढ़ाने, जननी सुरक्षा योजना के लंबित भुगतान शीघ्र कराने एवं प्रत्येक पात्र तक स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

70 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड तथा समय से टीकाकरण सत्र शुरू कर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश, कोई भी बच्चा न रहे वंचित

गर्भाशय कैंसर-मुक्त आगरा की दिशा में तेज़ी लाने के निर्देश, विद्यालयों में जागरूकता अभियान एवं एचपीवी टीकाकरण सत्र नियमित आयोजित करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने क्षय रोगियों को बांटी पोषण पोटलीन्टीबी मरीजों को बेहतर खानपान के प्रति किया जागरूक

निज संवाददाता

आगरा, 29/07/2026/जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल जी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, जननी सुरक्षा योजना, संस्थागत प्रसव, संपूर्ण टीकाकरण, संचारी रोग नियंत्रण, आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, एचपीवी टीकाकरण तथा अन्य स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने पिछली बैठक की अनुपालन आख्या तलब की। समीक्षा के दौरान यूपीएचसी छत्ता, नगला पदी, विभव नगर, नगला बूढ़ी तथा लोहामंडी में शून्य डिलीवरी परफॉर्मेंस पाए जाने तथा अपेक्षित प्रगति न होने पर संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों के वेतन पर लगाई गई रोक को यथावत रखने के निर्देश दिए, यूपीएचसी नया घेर, लोहामंडी, सेवला एवं जगदीशपुरा में प्रगति पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों का वेतन जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के अंतर्गत मंत्रा पोर्टल पर लंबित भुगतान की समीक्षा के दौरान सीएचसी फतेहाबाद में 529, एस.एन. मेडिकल कॉलेज में 480, जिला महिला चिकित्सालय में 401, सीएचसी खंदौली में 207 तथा सीएचसी पिनाहट में 206 भुगतान लंबित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित एमओआईसी से स्पष्टीकरण तलब करते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी एमओआईसी आज रात्रि तक लंबित भुगतान प्रक्रिया पूर्ण कर पोर्टल पर सत्यापन सुनिश्चित करें तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी इसकी मॉनिटरिंग करें। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं एवं लाभार्थियों को जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करते हुए संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

बैठक में 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विशेष अभियान चलाकर प्रत्येक पात्र बुजुर्ग का आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए ताकि सभी को योजना का लाभ मिल सके।

संपूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के अनुरूप प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी टीकाकरण सत्र समयबद्ध ढंग से आयोजित किए जाएं तथा कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। सीएचसी फतेहपुर सीकरी एवं जगनेर, जैतपुर कलां, खेरागढ़, किरावली, शमसाबाद की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष नहीं पाए जाने पर जिलाधिकारी द्वारा संबंधितों को कड़ी फटकार लगाते हुए एएनएम की नियमित मॉनिटरिंग तथा प्रतिदिन पोर्टल पर प्रगति अद्यतन करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जून एवं जुलाई माह में जनपद में डेंगू का एक तथा मलेरिया के 10 मामले पाए गए हैं। जिलाधिकारी ने प्रभावित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में डोर-टू-डोर सर्वे, लार्वा खोज अभियान, फॉगिंग, साफ-सफाई एवं जनजागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए, जिससे डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसे रोगों की प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित की जा सके।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की समीक्षा के दौरान पंचायती राज विभाग, आईसीडीएस विभाग तथा नगर निगम की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष कम पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी संबंधित विभागों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में शत-प्रतिशत गृह भ्रमण (हाउसहोल्ड सर्वे) सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में गर्भाशय कैंसर-मुक्त आगरा अभियान की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनपद में अब तक 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 11 हजार से अधिक बालिकाओं को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन लगाकर सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु सुरक्षा प्रदान की जा चुकी है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग, एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं, विद्यालयों, अभिभावकों एवं सहयोगी संस्थाओं के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

एचपीवी टीकाकरण अभियान की समीक्षा के दौरान जनपद में बालिकाओं की आबादी के सापेक्ष तथा लक्ष्य के अनुरूप प्रगति न होने पर जिलाधिकारी ने जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उपेन्द्र से स्पष्टीकरण तलब करते हुए अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रतिदिन विद्यालयों में जाकर छात्राओं एवं अभिभावकों को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर के प्रति जागरूक करें तथा सभी विद्यालयों में जागरूकता अभियान एवं एचपीवी टीकाकरण सत्र नियमित रूप से आयोजित कर प्रत्येक पात्र बालिका का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके परिवार अथवा आसपास 14 से 15 वर्ष आयु की कोई पात्र बालिका है तो उसे समय पर एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं। यह एक सुरक्षित एवं प्रभावी टीका है, जो भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि एक सुरक्षित टीका–जीवन भर की सुरक्षा का संदेश प्रत्येक परिवार तक पहुंचाया जाए।

बैठक में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी ने क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित कर उन्हें पौष्टिक एवं संतुलित आहार के महत्व के प्रति जागरूक किया तथा टीबी उन्मूलन अभियान को जनभागीदारी से और प्रभावी बनाने पर बल दिया।

बैठक में ई-संजीवनी, ई-कवच, आभा आईडी, राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम, परिवार नियोजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम सहित अन्य स्वास्थ्य योजनाओं एवं जिला स्वास्थ्य समिति से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाना सुनिश्चित करें।

पात्र दिव्यांग छात्राओं को ई-ट्राईसाइकिल दिलाने हेतु विवरण तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश

16 वर्ष से अधिक आयु की दिव्यांग छात्राओं के ऑनलाइन आवेदन समयबद्ध रूप से कराए जाएँ-जिलाधिकारी

ई-ट्राईसाइकिल योजना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही पर नहीं होगी शिथिलता-जिलाधिकारी

स्कूल एवं शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छात्राओं को ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने हेतु सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश

निज संवाददाता

आगरा. 29.07.2026/ जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल जी ने जनपद के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, मेडिकल, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संस्थानों, इंटर कॉलेजों तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्कूल जाने वाली एवं शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही पात्र दिव्यांग छात्राओं का विवरण तत्काल उपलब्ध कराया जाए, जिससे उन्हें दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ई-ट्राईसाइकिल योजना का लाभ दिलाया जा सके।

जिलाधिकारी ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से पात्र दिव्यांग छात्राओं को ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जानी है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कराए जाएंगे। अतः सभी संबंधित संस्थान एवं अधिकारी 16 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु की स्कूल जाने वाली एवं शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छात्राओं का विवरण निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उपलब्ध कराई जाने वाली सूचना में निम्न विवरण अनिवार्य रूप से शामिल किए जाएँ, जिसमें दिव्यांग छात्रा का नाम, पिता/पति का नाम, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर, आधार संख्या, परिवार की वार्षिक आय, दिव्यांगता का प्रकार, दिव्यांगता का प्रतिशत, स्थायी पता तथा संबंधित तहसील एवं विधानसभा का नाम आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन हेतु आवश्यक अभिलेख यथा-मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी दिव्यांग प्रमाण-पत्र (यूडीआईडी कार्ड)। आधार कार्ड, तहसील द्वारा निर्गत आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट आकार के नवीनतम फोटो, जिनमें दिव्यांगता स्पष्ट प्रदर्शित हो, विद्यालय/संस्थान में अध्ययनरत अथवा शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त करने संबंधी प्रमाण-पत्र।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि निर्धारित प्रारूप में सूचना एवं आवश्यक अभिलेख तत्काल जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, आगरा को उपलब्ध कराए जाएँ, ताकि पात्र दिव्यांग छात्राओं के ऑनलाइन आवेदन समयबद्ध रूप से पूर्ण कर उन्हें ई-ट्राईसाइकिल योजना का लाभ दिलाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है तथा इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

मानसिक चिकित्सालय स्वास्थ्य संस्थान, आगरा में निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने मानसिक चिकित्सालय का किया निरीक्षण, मरीजों के अधिकारों व सुविधाओं पर दिया जोर

निज संवाददाता

आगरा. 29.07.2026/मा. जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा के निर्देशानुसार आज दिनांक 29 जुलाई 2026 को श्री पंकज कुमार-द्वि, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा द्वारा मानसिक चिकित्सालय स्वास्थ्य संस्थान, आगरा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संस्थान में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा, आवास, भोजन, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

निरीक्षण उपरांत संस्थान में निवासरत मरीजों एवं उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों के मध्य विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव महोदय ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, विधिक अधिकारों तथा समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के लिए उपलब्ध विभिन्न विधिक सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को न्याय तक समान एवं सुलभ पहुंच सुनिश्चित कराना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रमुख उद्देश्य है।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. दिनेश कुमार राठौर, अधीक्षक श्री अनिल सिसोदिया तथा संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने विधिक जागरूकता कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम का समापन उपस्थित सभी प्रतिभागियों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का संदेश देकर किया गया।

धौलपुर में सुरक्षित नारी सशक्त समाज जागरूकता रैली एसपी विकास सांगवान ने दिखाई हरी झंडी महिला सुरक्षा कानूनों की दी जानकारी

निज संवाददाता

धौलपुर । महिलाओं की सुरक्षा सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजस्थान पुलिस द्वारा चलाए जा रहे महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान सुरक्षित नारी सशक्त समाज के तहत बुधवार को धौलपुर में व्यापक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को पुलिस अधीक्षक धौलपुर विकास सांगवान ने कार्यालय पुलिस अधीक्षक परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिकाऊ प्रकोष्ठ हवा सिंह सहित पुलिस अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक जागरूक होकर उनके अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने सभी से महिलाओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ उत्पीड़न हिंसा अथवा साइबर अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आह्वान किया।

राजस्थान समान नागरिक संहिता विधेयक 2026 पर फीडबैक लिंक व क्यूआर कोड के माध्यम से करें प्रेषित

निज संवाददाता

धौलपुर । राजस्थान समान नागरिकता संहिता विधेयक-2026 यूसीसी से जुड़े सवाल-जवाब पर राजस्थान नागरिकों से ज्यादा से ज्यादा फीडबैक लिया जाएगा। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट हरिराम मीना ने बताया कि उच्च शिक्षा के अलग-अलग संस्थाओं, कॉलेजों में और जमीनी स्तर की टीमों एनएसएस, एनसीसी स्काउट्स और दूसरे क्लबों के इंचार्ज को सक्रिय किया जाकर, आम जनता से कैंपों के दौरान क्यूआर कोड एवं लिंक http://ucc.rajasthan.gov.in के माध्यम से 5 अगस्त 2026 तक अपने फीडबैक दे सकते है।

गुरु पूर्णिमा पर संतों एवं महंतों का किया सम्मान मुख्यमंत्री का गुरु वंदना संदेश किया गया भेंट

निज संवाददाता

धौलपुर । गुरु पूर्णिमा पर्व के पावन अवसर पर जिले में गुरु वंदना कार्यक्रम के अंतर्गत संतों एवं महंतों का श्रद्धापूर्वक सम्मान किया गया। भारतीय संस्कृति में गुरु परंपरा के महत्व को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा संत समाज के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में मंदिर श्री खेरे वाली माता आश्रम जटपुरा बसेड़ी महन्त श्री महेश्वर दास मंदिर श्री हनुमान जी इमली का बाग नगला दरवेशा बसेड़ी के महन्त श्री रामानुज, श्री आत्रदपुर ट्रस्ट संत नगर बाड़ी के संत श्री रामदास श्री श्रीनाथ बिलोनी वाली माता बिलोनी बाड़ी के महन्त श्री राजेश चैतन्य सरस्वती मंदिर श्री लाठवाली माता गढ़ी विनतीपुरा के महन्त श्री सुखवेदानन्द मंदिर श्री हनुमान जी ताल वाले लालपुर के महन्त श्री अवधूत संत पागल बाबा मंदिर श्री लाडली जगमोहनजी के महन्त श्री कृष्णदास मंदिर श्रीरामपहाड़ी हनुमानजी गंगाबाई की बगीची के संत श्री हनुमानदास प्रत्येक को सम्मान स्वरूप 2100-2100 की राशि श्रीफल मिठाई एवं माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से प्रेषित गुरु वंदना संदेश भेंट किया गया। गुरु भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपरा के आधार स्तंभ हैं। संतों एवं महंतों का समाज को नैतिक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरुजनों के प्रति श्रद्धा सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने संतों एवं महंतों का अभिनंदन करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की सम्मान प्राप्त करने वाले संतों एवं महंतों ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज में सद्भाव नैतिक मूल्यों एवं आध्यात्मिक चेतना के प्रसार का संदेश दिया।

धौलपुर पुलिस की मानवता: साइबर सेल दिव्यांग की मदद को नीचे आई मिनटों में दर्ज की शिकायत और दिया भरोसा

निज संवाददाता / धौलपुर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में धौलपुर पुलिस आमजन की समस्याओं के त्वरित मानवीय एवं संवेदनशील समाधान के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। पुलिस का उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं बल्कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मानपूर्वक सहायता उपलब्ध कराना भी है। विगत दिनों पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कमला कॉलोनी जगदीश टॉकीज के पास धौलपुर निवासी दिव्यांग व्यक्ति विवेक अपना मोबाइल फोन कहीं खो जाने की शिकायत लेकर अकेले ही ट्राईसाईकिल से पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। सायबर सेल कार्यालय दूसरी मंजिल पर स्थित होने के कारण उनके लिए वहां तक पहुंचना कठिन था जैसे ही इसकी जानकारी सायबर सेल टीम को मिली टीम प्रभारी हेड कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में सायबर सेल के कानि. दिनेश कुमार स्वयं नीचे पहुंचे और पूरी संवेदनशीलता एवं आत्मीयता के साथ उनकी पूरी समस्या सुनी और बिना किसी अनावश्यक औपचारिकता के तत्काल आवश्यक जानकारी प्राप्त कर महज कुछ ही मिनटों में उनकी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई तथा उन्हें आगे की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए आश्वस्त किया कि शिकायत पर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई की जाएगी

जिला एवं सेशन न्यायाधीश संजीव मागो एवं सचिव रेखा यादव द्वारा संयुक्त रूप से किया जिला कारागृह का किया निरीक्षण

निज संवाददाता

धौलपुर । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसरण में अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश संजीव मागो एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागृह धौलपुर का मासिक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कारागृह में स्थापित प्रिजिन लीगल एड क्लीनिक के संबंध में माननीय नालसा द्वारा जारी एस.ओ.पी. में वर्णित दिशा-दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये निरीक्षण के दौरान माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के पत्रांक की अनुपालना में बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं बाह्य उपचार हेतु चिकित्सकीय अनुशंसा प्राप्त बंदियों की स्थिति उन्हें अस्पताल ले जाने की व्यवस्था तथा उपचार से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन किया गया। जिन बंदियों को चिकित्सकों द्वारा जेल के बाहर उपचार हेतु अनुशंसित किया गया था उनके संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर संबंधित चिकित्सकों को आवश्यक निर्देश दिए गए निरीक्षण के समय बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता संबंधी जानकारी प्रदान की गई साथ ही एक बंदी ने नोट बुक उपलब्ध कराने तथा दो बंदियों ने अपनी बीमारी के बारे में बताया इस संबंध में जेल अधीक्षक एवं संबंधित चिकित्सकों का निर्देशित किया कि बंदियों को समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही चिकित्सा उपचार में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो तथा गंभीर रोगियों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जाए इसके लिए जेल अधीक्षक एवं संबंधित चिकित्सक को आवश्यक समन्वय बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही रसोईघर का भी निरीक्षण किया गया निरीक्षण दौरान आज के भोजन के बारे में जानकारी ली तो बताया कि आज खाने में अरहर की दाल बैंगन मूली एवं चपाती के बारे में जानकारी दी साथ ही कितने बंदी खाने के लिए उपलब्ध रहते हैं इसके बारे में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। कारागार परिसर में संचालित मुलाकात सहायता हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उपस्थित रजिस्टरों का भी निरीक्षण किया जिसमें मुलाकातियों के पंजीकरण की प्रक्रिया प्रतीक्षा व्यवस्था सूचना उपलब्ध कराने की प्रणाली सहायता डेस्क पर नियुक्त अधिकार मित्र अधिवक्तागणों की उपस्थिति तथा आगंतुकों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया गया। मुलाकात हेतु आने वाले परिजनों से संवाद कर उन्हें प्राप्त सुविधाओं एवं आने वाली समस्याओं की जानकारी ली गई। साथ ही अधिवक्तागणों अधिकार मित्र को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि मुलाकातियों को समय पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए वरिष्ठ नागरिकों महिलाओं एवं दिव्यांग व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाए तथा सहायता डेस्क पर आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध रहे। इस मौके पर चीफ एलएडीसी अमित कमठान डिप्टी चीफ पप्पू सिंह गुर्जर असिस्टेंट एलएडीसी आराधना शर्मा दीपक सिंह सिकरवार स्टेनो राहुल डंडौतिया डॉक्टर सुमित मित्तल जेल विनोद सहित कारागृह का स्टाफ एवं बंदीजन मौजूद रहे।

शिवपुरीः सांदीपनी विद्यालय में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन, 200 शिक्षकों को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर मंगलवार को शहर के प्रतिष्ठित सांदीपनी विद्यालय में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जिले के लगभग 200 शिक्षकों को शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य योग आयोग के अध्यक्ष श्री राघवेंद्र शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवपुरी विधायक श्री देवेन्द्र जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव और मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के सदस्य श्री भार्गव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी, क्नक्ष्ट,<ष्ठक्क नगर के पार्षदगण, गणमान्य नागरिक, अभिभावक और विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना, सरस्वती वंदना और गुरु वंदना से हुआ। स्वागत गीत के बाद अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्री राघवेंद्र शर्मा ने कहा कि ÷गुरु ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। एक शिक्षक ही विद्यार्थी के जीवन को दिशा देता है और राष्ट्र निर्माण में सबसे अहम भूमिका निभाता है। आज के समय में योग और शिक्षा के समन्वय से ही स्वस्थ और संस्कारी पीढ़ी तैयार की जा सकती है।÷

विधायक श्री देवेन्द्र जैन ने कहा कि शिक्षक समाज के मार्गदर्शक हैं। सरकार शिक्षा और शिक्षकों के सम्मान के लिए लगातार काम कर रही है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव ने महिला शिक्षकों के योगदान की सराहना की और कहा कि मातृशक्ति ही बच्चों में संस्कारों की नींव रखती है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित नाटिका और देशभक्ति गीतों को दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कीर्ति गुप्ता ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सांदीपनी विद्यालय हमेशा शिक्षकों के सम्मान और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विद्यालय परिवार की ओर से समस्त शिक्षकगणों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

15 अगस्त का जिला स्तरीय समारोह वीर सावरकर स्टेडियम में होगा, तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश

कलेक्टर शीला दाहिमा ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश, 13 अगस्त को निकलेगी तिरंगा यात्रा

निज संवाददाता

श्योपुर। आगामी स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय मुख्य समारोह की तैयारियों लेकर कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को आयोजित होने वाला जिला स्तरीय मुख्य समारोह वीर सावरकर स्टेडियम, श्योपुर में गरिमामय एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जाए तथा सभी विभाग समयबद्ध रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, डीएफओ कूनो आर. थिरूकुराल, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, एसडीएम गगन सिंह मीणा, कराहल एसडीएम बी.एस. श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर विजय शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मुख्य समारोह के लिए मंच, बैठक व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, विद्युत, चिकित्सा, यातायात तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण की जाएं। उन्होंने नगर पालिका को समारोह स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों के साथ मध्याह्न भोजन किए जाने के लिए उपयुक्त विद्यालय का चयन किया जाए तथा पौधरोपण कार्यक्रम की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन के लिए बनेगी समिति

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मुख्य समारोह में प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन हेतु एसडीएम की अध्यक्षता में समिति गठित की जाए। साथ ही परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नियमित रूप से रिहर्सल कराया जाए, ताकि समारोह का आयोजन भव्य एवं अनुशासित ढंग से संपन्न हो सके।

उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 15 अगस्त को सुबह 8 बजे सभी शासकीय कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में ध्वजारोहण किया जाएगा, जबकि सुबह 9 बजे जिला स्तरीय मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों में भी स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम आयोजित होंगे।

5 अगस्त से शुरू होगी परेड की रिहर्सल

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने बैठक में बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए 5 अगस्त से परेड दलों का अभ्यास प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

13 अगस्त को निकलेगी तिरंगा यात्रा

बैठक में कलेक्टर ने बताया कि %हर घर तिरंगा% अभियान के अंतर्गत 13 अगस्त को सुबह 8 बजे नगर पालिका भवन, गांधी पार्क से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को यात्रा के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह को राष्ट्र गौरव के अनुरूप गरिमामय एवं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने पर विशेष जोर दिया गया।

फैमिली कोर्ट के बाहर युवती से मारपीटः पूर्व लिव-इन पार्टनर पुष्पेंद्र चौहान पर एससी-एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में एफआईआर

निज संवाददाता

शिवपुरी के कोतवाली थाना पुलिस ने फैमिली कोर्ट परिसर के बाहर युवती से मारपीट, गाली-गलौज, धमकी देने और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के आरोप में उसके पूर्व लिव-इन पार्टनर पुष्पेंद्र चौहान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और एससी-एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। घटना मंगलवार शाम कुटुंब न्यायालय में पेशी के बाद हुई थी। पुलिस ने फरियादिया की शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवंतिका नगर निवासी 23 वर्षीय महक गुहारिया ने बताया कि वह करीब पांच वर्ष तक करैरा निवासी पुष्पेंद्र चौहान के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रही थी। दोनों की एक बेटी आरोही है। महक का कहना है कि पिछले करीब एक वर्ष से पुष्पेंद्र द्वारा विवाद किए जाने के कारण वह अपनी बच्ची के साथ माता-पिता के घर रह रही है। दोनों के बीच कुटुंब न्यायालय शिवपुरी में प्रकरण विचाराधीन है।

महक के अनुसार मंगलवार को वह अपने माता-पिता के साथ कुटुंब न्यायालय में पेशी पर आई थी। शाम करीब 4 बजे सुनवाई के बाद जैसे ही वह न्यायालय से बाहर निकली, तभी बाहर खड़े पुष्पेंद्र चौहान ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोप है

कि उसने महक से अपने साथ चलने और बेटी आरोही को भी साथ ले जाने की बात कही। महक द्वारा मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित किया।

महक ने आरोप लगाया है कि विरोध करने पर पुष्पेंद्र चौहान ने उसके साथ थप्पड़ों से मारपीट की, जिससे उसके दोनों गालों में चोट आई। शोर सुनकर उसके माता-पिता और आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया। आरोप है कि इस दौरान पुष्पेंद्र ने जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद महक अपने माता-पिता के साथ आरोपी को लेकर कोतवाली थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

महक ने पुलिस को यह भी बताया कि पुष्पेंद्र पहले भी उसके और उसके परिवार के साथ गंभीर घटना कर चुका है। करीब तीन महीने पहले भी उसके खिलाफ घर में घुसकर मारपीट और उसे तथा उसकी बच्ची को जबरन ले जाने का मामला दर्ज कराया गया था। महक ने आशंका जताई है कि आरोपी भविष्य में उसके और उसके परिवार के साथ फिर किसी गंभीर घटना को अंजाम दे सकता है, इसलिए उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कोतवाली पुलिस ने महक गुहारिया की शिकायत पर आरोपी पुष्पेंद्र चौहान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 296(ए), 115(2) और 351(3) के साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(1ड्ड), 3(1)(द) सहित अन्य प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अतिक्रमण पर चला नगर निगम का बुलडोजर, आम रास्ते में बनी अवैध दीवार ढ्हाई

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 29 जुलाई 2026 - नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से लगातार कार्रवाई की जा रही है।

भवन अधिकारी श्री यशवंत मैकले ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार क्षेत्रीय कार्यालय 10, वार्ड 21 के अंतर्गत गोले के मंदिर चौराहा के पास, गोले का मंदिर के बगल से आम रास्ते में बनी हुई दीवार को जेसीबी की मदद से हटाया गया। कार्यवाही के दौरान मदाखलत अमला मौजूद रहा।

क्षमतावर्धन कार्यशाला बालभवन में आज

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 29 जुलाई 2026 - नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत क्षमतावर्धन कार्यशाला 2026 का आयोजन बाल भवन में दिनांक 30 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे से किया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत क्षमतावर्धन कार्यशाला 2026 का आयोजन किया जा रहा हैं। कार्यशाला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 एवं वेस्ट टू एनर्जी अन्य जानकारियां दी जाएगीं। यह कार्यशाला बाल भवन के सभागार में दोपहर 12 से 3 तक आयोजित की जाएगी।

भगवतसहाय महाविद्यालय में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 200 पौधों का किया रोपण

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 29 जुलाई 2026 - पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत भगवतसहाय महाविद्यालय परिसर में एक वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देषानुसार उद्यान निरीक्षक श्री राजकुमार राजावत एवं महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं के सहयोग से परिसर में 200 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान पौधरोपण के साथ-साथ पौधों की निरंतर देखभाल और सुरक्षा जिम्मेदारी छात्रों द्वारा ली गई।

15 वर्षीय किशोरी ने जंगल में लगाई फांसी, सड़क हादसे में 26 वर्षीय महिला की मौत

निज संवाददाता

शिवपुरी जिले में दो अलग-अलग घटनाओं में एक 15 वर्षीय किशोरी और 26 वर्षीय महिला की मौत हो गई। गोपालपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार से लापता किशोरी का शव बुधवार सुबह जंगल में पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला। वहीं सुभाषपुरा थाना क्षेत्र में एनएच-46 पर सड़क हादसे में जान गंवाने वाली अज्ञात महिला की पहचान लखनऊ निवासी नेहा रावत के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया।

जंगल में पेड़ से लटका मिला किशोरी का शव

घटना गोपालपुर थाना क्षेत्र के खटका गोपालपुर गांव की है। यहां 15 वर्षीय ज्योति आदिवासी पुत्री रामबरन आदिवासी मंगलवार दोपहर घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने रातभर उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार सुबह गांव के जंगल में उसका शव एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला।

परिजनों ने बताया कि ज्योति गांव के 24 वर्षीय युवक के साथ रहने की जिद कर रही थी। इसी बात को लेकर वह नाराज होकर घर से निकल गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एनएच-46 पर हादसे में महिला की मौत, लखनऊ निवासी के रूप में हुई पहचान

दूसरी घटना सुभाषपुरा थाना क्षेत्र के एनएच-46 स्थित डिग्री पुल की है। यहां मंगलवार को सड़क किनारे एक महिला का शव और उसके पास स्कूटी मिली थी। प्रारंभिक तौर पर पुलिस ने इसे सड़क दुर्घटना माना और पहचान नहीं होने पर शव को मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवा दिया था।

बुधवार को मेडिकल कॉलेज पहुंचे परिजनों ने महिला की पहचान 26 वर्षीय नेहा रावत के रूप में की, जो मूल रूप से लखनऊ की रहने वाली थी। परिजनों ने बताया कि नेहा की शादी करीब छह वर्ष पहले हुई थी, लेकिन बाद में उसने पति से अलग होकर करीब तीन वर्ष पहले अपनी पसंद के युवक से दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद परिवार से उसका संपर्क टूट गया था। तीन साल बाद उन्हें उसकी सड़क हादसे में मौत की सूचना मिली। बता दें कि परिजन नेहा के शव को लखनऊ नहीं ले जाते हुए उन्होंने शिवपुरी में ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

जानकारी के अनुसार नेहा वर्तमान में ग्वालियर में रह रही थी। हादसे के समय उसके साथ एक युवक भी स्कूटी पर सवार था, जो घायल होने के बाद इलाज के लिए ग्वालियर चला गया। उसके चले जाने के कारण मौके पर महिला की पहचान तत्काल नहीं हो सकी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मौजीबाबा आश्रम पर गुरु पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

निज संवाददाता

ग्वालियर-/- सिंधी समाज के धर्मगुरु परम पूज्य संत श्री मोजी बाबा सुखधाम आश्रम समाधिया कॉलोनी गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।

विगत 34 वर्षों से यह पर्व सुख धाम आश्रम पर बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता रहा है

जिसमें समाधिया कॉलोनी,

कृष्ण एनक्लेव, सिंधी कॉलोनी,

झूलेलाल कालोनी,

अन्य आसपास की समस्त दक्षिण क्षेत्र के अलावा सागर, कटनी, देहली, खुरई, भोपाल, दतिया, इंदौर, पिंपरी, पूना व अन्य कई शहरों से भी श्रदालु आते हैं ग्वालियर शहर के

सिंधी समाज के श्रद्धालु आकर सत्संग का लाभ उठाते हैं ।

कार्यक्रम सुबह 9ः00 बजे से सत्संग पाठसाहब के भोग का कार्यक्रम हुआ । दोपहर 12ः00 से आम भंडारे का आयोजन किया गया । जिसमें हजारों श्रद्धालु ने भोजन प्रसादी ग्रहण की सायं काल प्रतिदिन महिलाओं का सत्संग होता है

व समस्त त्यौहार यहां बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं । मंदिर प्रमुख श्री सीमा दीदी

श्री जितेन्द जी आश्रम का प्रबन्ध बड़ी जिम्मेदारी से

संभालते आ रहे हैं कार्यक्रम में प्रमुख रूप से

गोपाल मोटवानी,दीपचंद काकवानी , राजेश कुकरेजा,

हरिओम जोतवानी, दुर्वाषी लाल,

रूद्रांशी, दिवीशा मोटवानी

श्रीमती हिना, रेखा, पूजा, सपना, वर्षा,कल्पना, जिया, संजना, नीतू धूपर, कांता उधवानी आदि उपस्थित थे।

मच्छर जनित बीमारियां रोकने अनेक बस्तियों में कराई फॉगिंग

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 29 जुलाई 2026 - संक्रामक बीमारियों एवं मच्छरों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देश पर शहर के सभी वार्ड की गलियों एवं मोहल्लों में निरंतर साफ-सफाई एवं फॉगिंग का कार्य कराया जा रहा है। जिसके तहत आज आदिवासी मोहल्ला, विजय नगर, पारस विहार कॉलोनी, इंद्रमणी नगर, भाऊ साहब पोतनीस एन्क्लेव, पान पत्ते की गोठ, जाटव मोहल्ला, माधवगंज, चकरायपुर, कुषवाह मोहल्ला, विनय नगर सेक्टर-3, गदाईपुरा, गोविंदपुरी, दीनदयाल नगर, शताब्दीपुरम आदि अनेक स्थानों पर फॉगिंग एवं दवा का छिडकाव किया।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 650वें प्राकट्य वर्ष पर दीपोत्सव आयोजित हुआ

निज संवाददाता

ग्वालियर -/- संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 650वें प्राकट्य वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के बाबा साहब अंबेडकर मंडल द्वारा भीमनगर स्थित संत रविदास मंदिर में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति, मंडल अध्यक्ष प्रवीण भारद्वाज सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर संत गुरु रविदास जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जवाहर प्रजापति रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा साहब अंबेडकर मंडल के अध्यक्ष श्री प्रवीण भारद्वाज ने की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने जीवन

और वाणी से समाज को समता, सद्भाव, सेवा, प्रेम और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने जाति-पांति और ऊँच-नीच जैसी सामाजिक बुराइयों का विरोध करते हुए सभी मनुष्यों को समान दृष्टि से देखने की प्रेरणा दी। वहीं उन्होंने कहा कि हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर समरस और सशक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर खीर प्रासादी का विवरण किया गया।

इस अवसर पर मंडल सह प्रभारी आलोक आहूजा, मंडल कार्यक्रम संयोजक धर्म सिंह, सह संयोजक दीपक विटौलिया, मंडल महामंत्री पिंटू परिहार एवं चंद्रेश यादव, पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम टमोटिया, मंडल उपाध्यक्ष सोनू कटारे, राकेश पुष्पद, मंडल मंत्री श्रीमती पूनम राठौर, तरुण गुप्ता, राजू तरेतिया तथा जतिन सविता सहित मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर श्योपुर में विशेष स्वास्थ्य शिविर, जेलों में कैदियों की हेपेटाइटिस व HIV जांच

निज संवाददाता

श्योपुर / विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर सोमवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) श्री दिलीप सिकरवार के निर्देशन एवं %प्रगति पथ% एनजीओ के सहयोग से जिला जेल श्योपुर एवं उप जेल विजयपुर में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य हेपेटाइटिस एवं अन्य संक्रामक रोगों की समय पर पहचान कर उपचार सुनिश्चित करना था।

शिविर के दौरान 28 बंदियों की हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी एवं HIV की स्क्रीनिंग की गई। जांच में पहले से पॉजिटिव पाए गए कुल 5 बंदियों (हेपेटाइटिस-बी के 1, हेपेटाइटिस-सी के 4 एवं HIV के 1) के वायरल लोड टेस्ट भी कराए गए, ताकि उनके उपचार एवं स्वास्थ्य प्रबंधन की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

इसी क्रम में जिला चिकित्सालय श्योपुर एवं

जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC) में भी विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना %प्रगति पथ% द्वारा जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में वायरल हेपेटाइटिस, सिफलिस, ॥ढ्ढङ्क, टीबी, स्ञ्जढ्ढ एवं क्रञ्जढ्ढ जैसी बीमारियों के कारण, बचाव, जांच और उपचार की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्रतिभागियों को जागरूकता संबंधी ढ्डश्वष्ट सामग्री का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम सीएमएचओ श्री दिलीप सिकरवार, सिविल सर्जन डॉ. एस.एन. बिंदल, नोडल अधिकारी डॉ. यतेंद्र रावत, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट श्री योगेश यादव (योगेश कुमार), एसएसके प्रोग्राम मैनेजर श्री जसवंत मीणा एवं प्रोजेक्ट मैनेजर सुश्री दीपा शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस स्वास्थ्य अभियान को सफल बनाने में लैब टेक्नीशियन अरविंद पटेल, काउंसलर श्रीमती प्रियंका पोरवाल, वैशाली चौरसिया, श्री संजय शर्मा, श्री कौशल शर्मा, श्री विशाल सुमन सहित जिला चिकित्सालय, प्रगति पथ, एसएसके एवं आईसीटीसी परियोजना के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वायरल हेपेटाइटिस एवं अन्य संक्रमणों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित करना तथा संक्रमित मरीजों को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराना है।

जीआई पाइप की गुणवत्ता पर उठे सवाल, नेता प्रतिपक्ष सलाउद्दीन ने भुगतान रोकने की मांग

जेम पोर्टल से खरीदी गई पाइप सप्लाई पर जताई आपत्ति, मानक अनुरूप सामग्री उपलब्ध नहीं कराने का आरोप

निज संवाददाता

श्योपुर। नगर पालिका परिषद श्योपुर में जेम (त्वद्गरू) के माध्यम से खरीदे गए जीआई पाइपों की गुणवत्ता को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। नगर पालिका परिषद के नेता प्रतिपक्ष एवं वार्ड क्रमांक-6 के पार्षद सलाउद्दीन ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को आवेदन देकर सप्लाई किए गए पाइपों की गुणवत्ता की जांच कराने तथा संबंधित ठेकेदार के भुगतान पर रोक लगाने की मांग की है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी को दिए गए आवेदन में सलाउद्दीन ने कहा है कि नगर पालिका द्वारा पूर्व में खरीदे गए टी.टी. स्वास्तिक कंपनी के जीआई पाइप गुणवत्ता की दृष्टि से बेहतर थे, जबकि वर्तमान में जेम पोर्टल के माध्यम से प्राप्त पाइप अपेक्षाकृत हल्की एवं निम्न गुणवत्ता के प्रतीत हो रहे हैं।

आवेदन के अनुसार, पहले खरीदे गए पाइपों का वजन लगभग 25 से 26 किलोग्राम होता था, जबकि वर्तमान में प्राप्त पाइपों का वजन केवल 16 से 17 किलोग्राम बताया जा रहा है। उनका दावा है कि ये पाइप बोर में डालते समय ही क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, जिससे उनकी गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने मांग की है कि सप्लाई किए गए पाइपों की तकनीकी जांच कराई जाए तथा जांच पूरी होने तक संबंधित ठेकेदार के भुगतान पर रोक लगाई जाए। साथ ही यदि जांच में यह पाया जाता है कि कार्यादेश के अनुरूप सामग्री की आपूर्ति नहीं की गई है, तो संबंधित फर्म को ब्लैकलिस्ट करते हुए नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए।

अब इस मामले में नगर पालिका प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि सप्लाई किए गए पाइप निर्धारित मानकों के अनुरूप हैं या नहीं।

'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत निकली मिनी मैराथन

कलेक्टर और एसपी ने दिखाई हरी झंडी, हजारों कदम नशामुक्त श्योपुर के संकल्प के साथ बढ़े

निज संवाददाता

श्योपुर। जिले में नशामुक्त समाज के निर्माण और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से %नशे से दूरी है जरूरी 2.0% अभियान के अंतर्गत मंगलवार सुबह पीएमश्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्योपुर से गांधी पार्क गुलंबर तक मिनी मैराथन दौड़ का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा एवं पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं, सामाजिक संगठन और बड़ी संख्या में नागरिक नशामुक्ति का संदेश लेकर दौड़े।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा एवं पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया, एसडीएम गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर विजय शाक्य एवं पवन घुरैया, एसडीओपी राजीव गुप्ता, उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती शशिकिरण इक्का सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

गांधी पार्क पहुंचकर मैराथन का समापन समारोहपूर्वक हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर शीला दाहिमा ने उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक नशे के दुष्प्रभावों का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने भी युवाओं से

नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मिनी मैराथन में प्रथम स्थान कन्हैया बंजारा, द्वितीय स्थान आकाश गुर्जर तथा तृतीय स्थान विकास सेन ने प्राप्त किया। तीनों विजेताओं को जिला पुलिस की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर %क्रियेटिव श्योपुर% पहल के तहत आयोजित नशामुक्ति स्लोगन प्रतियोगिता के चयनित दस विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में रूद्र प्रताप सिंह, आशीष शाह, विनायक गौर, अनिकेत जाटव, कार्तिक गौर, आशीष बैरवा, अदीबा नाज, सुमित गुर्जर, लवली राठौर एवं कशिश शर्मा शामिल रहे, जिन्हें उत्कृष्ट जनजागरूकता संदेश लिखने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

जिला प्रशासन ने कहा कि %नशे से दूरी है जरूरी 2.0% अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि युवाओं और समाज को नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के तहत आगे भी विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

श्रद्धा, भक्ति और गुरु वंदन के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

मंदिरों, आश्रमों और शिक्षण संस्थानों में हुए विविध आयोजन, मधुवन आश्रम व गायत्री शक्तिपीठ पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

निज संवाददाता

श्योपुर। जिले में बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। गुरु-शिष्य परंपरा के इस पावन अवसर पर शहर के मंदिरों, आश्रमों, धार्मिक स्थलों और शिक्षण संस्थानों में विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिष्यों ने अपने गुरुजनों का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। पूरे शहर में दिनभर आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी मनाई जाती है। सनातन परंपरा में महर्षि वेदव्यास को आदि गुरु का स्थान प्राप्त है। इस अवसर पर लोगों ने गुरु के मार्गदर्शन, ज्ञान और संस्कारों के महत्व को स्मरण करते हुए समाज में गुरु-शिष्य परंपरा को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया।

शहर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों का सम्मान कर उन्हें पुष्प, स्मृति-चिह्न एवं शुभकामनाएं अर्पित कीं। कई शिक्षण संस्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण, नाटक एवं गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति के इस महान पर्व का महत्व बताया गया। वहीं आर्ष गुरुकुल सहित विभिन्न आश्रमों में शिष्यों ने अपने गुरुओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मधुवन आश्रम में विशाल भंडारे में उमड़े हजारों श्रद्धालु

शहर के जतीघाट स्थित मधुवन आश्रम में सात दिनों से चल रहे गुरु पूर्णिमा महोत्सव का समापन बुधवार को विशाल भंडारे के साथ हुआ। सुबह 11 बजे प्रारंभ हुए भंडारे में देर शाम तक हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान शिष्यों ने गुरु पूजन कर अपने गुरु का आशीर्वाद लिया तथा धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

गायत्री शक्तिपीठ पर पंचकुंडीय महायज्ञ और सम्मान समारोह

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ श्योपुर में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। विश्व कल्याण की कामना के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति अर्पित की। यज्ञ का संचालन चौथमल शर्मा ने किया। इस दौरान गिर्राज सोनी, मोहित सोनी एवं बाबूलाल सेन ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान गायत्री परिवार श्योपुर के निर्माण एवं विस्तार में विशेष योगदान देने वाले पुरुषोत्तम पाराशर एवं राजेंद्र गुप्ता का सम्मान भी किया गया। महायज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण की।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जिलेभर में आयोजित धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों ने गुरु-शिष्य परंपरा की गौरवशाली संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान की। श्रद्धालुओं ने इसे केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि जीवन में ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन के प्रति आस्था व्यक्त करने का पावन अवसर बताया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई–निविदा सूचना सं0 JHS-N-GSU-15-26 दिनांक: 24.07.2026

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता (गति शक्ति यूनिट) उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई. टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई–निविदा सूचना संख्या – JHS-N-GSU-15-26

कार्य का नाम– ईआई ऑल्टरेशन एंड अदर एसएंड टी वर्क फॉर कंस्ट्रक्शन ऑफ आरओबीस इन ल्यू ऑफ लेवल कॉसिंग्स नम्बर 33 एट किमी. 1267/9–1268/0 एण्ड 40 एट किमी.1283/5–6 इन बिटवीन ग्वालियर–भिंड सेक्शन ऑफ झाँसी डिविजन।

कार्य लागत लगभग– रू. 7820354.35 | धरोहर राशि–रू.156400.00

निविदा प्रपत्र का मूल्य–Nil. | निविदा खुलने की तिथि–18.08.2026 Time 15.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि– 12 माह

निविदा दिनांक 18.08.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in JHANSI DIVISION-GATI SHAKTI, NORTH CENTRAI RLY) पर देखें। 1718/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

स्टेण्डिंग कमेटी की बैठक आज

निज संवाददाता / भिण्ड। नगर पालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2026 के कार्यक्रम के तहत स्टेण्डिंग कमेटी की बैठक कलेक्टर भिण्ड की अध्यक्षता में 30 जुलाई को 11.30 बजे आयोजित की गई है। सभी राजनैतिक दलों के अध्यक्ष, नगर पालिका भिण्ड के अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष/ सदस्य तथा सभी नगरीय निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्षों से बैठक में नियत समय पर कलेक्ट्रेट भिण्ड के सभाकक्ष में उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

युवक ने कुए में लगाई छलांग, प्रशासन ने शुरू किया रेस्क्यू

निज संवाददाता

भिण्ड। मौ नगर में बुधवार को दोपहर बाद उस समय सनसनी फैल गई जब 35 वर्षीय युवक सुनील यादव पुत्र खलक सिंह उर्फ खल्लू यादव निवासी वार्ड क्र.8 मौ ने अज्ञात कारणों के चलते एक कुंए में छलांग लगा दी। घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस एवं नगर परिषद मौ का प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया और युवक की तलाश के लिए तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

प्रशासन द्वारा कुएं में मोटर चला कर पानी खाली कर युवक की तलाश के लिए आवश्यक संसाधनों की मदद ली जा रही है। समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं लग सका था और तलाश लगातार जारी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोग भी प्रशासन के साथ बचाव कार्य में सहयोग कर रहे हैं। पुलिस द्वारा घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी कूनो वन्यजीव वनमंडल श्योपुर (म.प्र.)

Phone No.:-07530- 220004
E-mail :- dfokunowls@mp.gov.in
ddkuno@gmail.com

शिवपुरी रोड, श्योपुर (म.प्र.)
Pin-476337

//विज्ञप्ति प्रारूप//

कूनो वन्यजीव वनमण्डल, श्योपुर अन्तर्गत Supply of Fencing Material as per BoQ in Kuno Wildlife Division हेतु https://mptenders.gov.in पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 05/08/2026 प्रातः 11:00 बजे तक आमंत्रित की जा रही है।

ऑनलाईन प्राप्त निविदाएं दिनांक 06/08/2026 को दोपहर 01:00 बजे https://mptenders.gov.in पोर्टल पर खोली जावेगी।

निविदा संबंधी विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पोर्टल एवं https://mpforest.gov.in पोर्टल पर देखा जा सकता है। यह निविदा पूर्णतः ऑनलाईन है ऑफलाईन फार्म मान्य नहीं किये जावेगें।

G16433/26

(आर. थिरुकुरल)
भा.व.से.
वनमण्डलाधिकारी
कूनो वन्यजीव वनमण्डल, श्योपुर

कार्यालय नगर परिषद बानमौर जिला मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक / 2026 / **1287** बानमौर, दिनांक **27.07** / 2026

// निविदा आमंत्रण सूचना //

एतद द्वारा केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि इस निकाय द्वारा नीचे वर्णित कार्य कराये जाने हेतु ऑनलाइन निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदा वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर निविदा प्रपत्र-सी पर दिनांक **11/08/26** सायं 05:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का विवरण	ऑनलाइन टेण्डर क्रमांक	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य की समयावधि
	सबमर्सिबल मोटर पंप मरम्मत कार्य। (05 एचपी से 20 एचपी तक परिशिष्ट- A अनुसार) दरें आमंत्रण।	2026_UAD_524568_1	06.00 लाख	6000/- रुपये	2000/- रुपये	वित्तीय वर्ष 2026-27

शर्तें:-

1 निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन ऑनलाइन वेबसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

2 निविदा शर्तों का भलीभाँति अवलोकन कर इच्छुक ठेकेदार/फर्म दरें प्रस्तुत करें।

(गीता लक्ष्मण जाटव)
(अध्यक्ष)
नगर परिषद्, बानमौर

(ऐश्वर्य गोयल)
उपयंत्री
नगर परिषद्, बानमौर

(प्रदीप कुमार शर्मा)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद्, बानमौर

प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को गहराई से समझने के लिये उन्हें उज्जैन के सांदिपनी आश्रम अवश्य आना चाहिए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री गुरु पूर्णिमा पर महर्षि सांदीपनि आश्रम में श्रद्धा समारोह में हुए शामिल

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर तीन पुस्तकों का किया विमोचन

निज संवाददाता

भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महर्षि सांदीपनि आश्रम परिसर में आयोजित ÷गुरु परंपरा का लोकपर्व श्रद्धा समारोह÷ में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय ज्ञान परंपरा और सांदीपनि आश्रम की ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि पूरे विश्व में यदि किसी को प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को गहराई से समझना हो तो उन्हें उज्जैन के सांदिपनी आश्रम अवश्य आना चाहिए। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊपर माना गया है, और उज्जैन तो वह नगर है जहां स्वयं ईश्वर शिक्षा ग्रहण करने आए थे। महर्षि सांदीपनि ने जो विद्या श्री कृष्ण को दी, इसी कारण से वे जगतगुरु बने। हमारे अतीत की गौरवशाली परंपरा को संजोकर आगे ले जाने का काम सरकार कर रही है। आगामी सिंहस्थ 2028 महापर्व के तहत उज्जैन के साहित्य, कला और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को पूरा किया जा रहा है। उज्जैन में सभी धर्मों के लोग मिलकर विकास कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपनी ओर से सभी को गुरु पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएं दीं।

विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में उज्जैन को निरंतर विकास कार्यों की सौगातें मिल रही हैं। शीघ्र ही यहां सांदीपनि लोक, काल भैरव लोक भी बनाया जाएगा। इसके अलावा उज्जैन में आयुर्वेद चिकित्सा का विश्वविद्यालय बनाए जाने की भी योजना है। उन्होंने आमजन की ओर से मुख्यमंत्री डॉ यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर सबसे पहले महर्षि सांदीपनि गुरुदेव की पूजा अर्चना एवं आरती की। कुण्डेश्वर महादेव व सर्वेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा ÷महर्षि गुरु सांदीपनि, स्वयं के द्वारा लिखित÷ महर्षि सांदीपनि भारतीय गुरुकुल परंपरा के शिल्पी एवं ÷ सर्वांग÷ पुस्तक का विमोचन किया तथा वेदपाठियों को श्रीमद्भगवद्गीता पुस्तक का वितरण भी किया।

कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग और त्रिवेणी संग्रहालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में भक्ति गायन एवं नाट्य प्रस्तुति ÷गुरु दत्तात्रेय की पाठशाला÷ भी प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, श्री संजय अग्रवाल, एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ग्वालियर बनेगा देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग हब, लगभग 15 हजार करोड़ रुपए निवेश और 5 हजार रोजगार होगा सृजन

नई दिल्ली में होगा देश के पहले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन का एम.ओ.यू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल से मध्यप्रदेश की दूरसंचार विनिर्माण के राष्ट्रीय मानचित्र पर बनेगी नई पहचान

निज संवाददाता

भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की ओर बढ़ रहा है। संचार मंत्रालय एवं दूरसंचार विभाग, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल के तहत ग्वालियर में देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन स्थापित किया जा रहा है। इस संबंध में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन एवं दूरसंचार विभाग, भारत सरकार के बीच प्रस्तावित एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह एमओयू परियोजना के क्रियान्वयन के लिए विशेष प्रयोजन कंपनी के गठन का मार्ग प्रशस्त करेगा और देश में दूरसंचार विनिर्माण के नए युग की शुरुआत करेगा।

लगभग 350 एकड़ में विकसित होने वाला यह अत्याधुनिक प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक क्लस्टर मोबाइल उपकरण, नेटवर्क इक्विपमेंट, ऑप्टिकल फाइबर, सेमीकंडक्टर तथा 5जी और 6जी अनुसंधान एवं विकास सहित दूरसंचार क्षेत्र की सम्पूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक ही परिसर में विकसित करेगा। इस परियोजना के प्रथम चरण के लिए भारत सरकार ने 493 करोड़ रुपए का शत-प्रतिशत केंद्रीय अनुदान स्वीकृत किया है। वहीं राज्य सरकार द्वारा सडा क्षेत्र में 100 एकड़ तथा ग्वालियर आईटी पार्क में 70 एकड़, कुल 170 एकड़ भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 596 करोड़ रुपए है। परियोजना के अंतर्गत सामान्य परीक्षण एवं प्रमाणन प्रयोगशालाएं, अनुसंधान एवं विकास केंद्र, आधुनिक भण्डारण, सड़क तथा आईसीटी जैसी साझा अधोसंरचना भी विकसित की जाएगी।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना से आगामी वर्षों में लगभग 12 हजार से 15 हजार करोड़ रुपए के निवेश की संभावना है तथा लगभग 5 हजार प्रत्यक्ष कुशल रोजगार सृजित होंगे। इनमें से करीब 3,500 रोजगार प्रथम चरण में ही उपलब्ध होने का अनुमान है। यह परियोजना राउटर, एंटीना, ऑप्टिकल फाइबर, चिप तथा अन्य दूरसंचार उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देकर आयात पर निर्भरता कम करेगी और निर्यात को नई गति प्रदान करेगी।

परियोजना में डिक्सन टेक्नोलॉजीज़, एचएफसीएल, तेजस नेटवर्क्स, वीवीडीएन तथा सिरमा एसजीएस जैसी अग्रणी दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां एंकर निवेशक के रूप में जुड़ रही हैं। प्रारंभिक प्रतिबद्धताओं के अनुसार प्रथम चरण में 150 से 200 एकड़ क्षेत्र में लगभग . 5 हजार करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। परियोजना का संचालन विशेष प्रयोजन कंपनी के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें मध्यप्रदेश शासन की 51 प्रतिशत तथा दूरसंचार विभाग, भारत सरकार की 49 प्रतिशत भागीदारी होगी।

टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन को देश के सबसे आकर्षक औद्योगिक निवेश स्थलों में विकसित करने के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज भी उपलब्ध कराया गया है। इसके अंतर्गत पात्र स्थिर पूंजी निवेश पर अधिकतम 200 करोड़ रुपए तक 50 प्रतिशत पूंजी अनुदान, मेगा परियोजनाओं के लिए रोजगार सृजन सहायता, प्रत्येक नए कर्मचारी के कौशल विकास पर वित्तीय सहायता, मात्र 1 रुपए प्रीमियम पर भूमि आवंटन तथा 30 वर्षों तक नाममात्र की लीज़ दर का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही स्टाम्प ड्यूटी की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति, प्रारंभिक पांच वर्षों तक विद्युत टैरिफ में प्रति यूनिट रु. 2 की छूट, मालभाड़ा सब्सिडी, अनुसंधान एवं विकास सहायता, पेटेंट एवं बौद्धिक संपदा व्यय की प्रतिपूर्ति तथा हरित औद्योगीकरण को बढ़ावा देने वाले विशेष प्रोत्साहन भी प्रदान किए जाएंगे।

यह परियोजना इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन तथा टेलीकॉम टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड जैसी राष्ट्रीय पहलों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अनुसंधान से लेकर कंपोनेंट निर्माण और अंतिम उत्पाद निर्माण तक की सम्पूर्ण श्रृंखला को एकीकृत करेगी। साथ ही एमएसएमई, स्टार्टअप्स और स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को बड़े उद्योगों के साथ विकसित होने का अवसर मिलेगा, जिससे देश की दूरसंचार सुरक्षा और तकनीकी आत्मनिर्भरता को नई मजबूती मिलेगी।

प्रस्तावित एमओयू पर हस्ताक्षर के साथ ही ग्वालियर में देश के पहले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन की स्थापना की दिशा में औपचारिक प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह परियोजना मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी।

मध्यप्रदेश में बाघों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है

नई गणना में बाघों की संख्या 1000 से अधिक होने का अनुमान - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

निज संवाददाता / भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति और सभी वन्यजीवों के प्रति उदारता की भाव समाहित है। हमारे देवी-देवताओं के वाहन भी अलग-अलग जीवों से जुड़ते हैं। जंगल का राजा बाघ शक्ति की देवी मां दुर्गा का वाहन है। प्रदेश में बाघ, चीता, घड़ियाल, हाथी और जंगली भैंसे सहित अन्य वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है और मध्यप्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल है। प्रदेश में 53 साल पहले बाघों की संख्या दहाई के आंकड़े में सिमटी हुई थी। वर्ष 2016 में बाघों की संख्या लगभग 250 हो गई। वर्ष 2022 की गणना में प्रदेश में 785 बाघ हो गए। अगले साल नई गणना में बाघों की संख्या 1000 से अधिक होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में समृद्ध जैव विरासत का स्वर्णिम और सुगम काल निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में संबोधित कर रहे थे।

युवा संगम में 119 युवाओं का प्राथमिक स्तर पर चयन, 74 युवाओं को वितरित किए ऑफर लेटर

रोजगार कार्यालय मुरैना में आयोजित हुआ युवा संगम

निज संवाददाता

मुरैना, 29 जुलाई 2026/कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ के निर्देशानुसार गत दिवस जिला रोजगार कार्यालय, मुरैना में युवा संगम का आयोजन किया गया। आयोजन में जिले के 137 युवाओं ने सहभागिता की। युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न निजी कंपनियों ने भाग लेकर चयन प्रक्रिया आयोजित की। युवा संगम में निजी क्षेत्र की कुल 5 कंपनियों ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सहभागिता की। चयन प्रक्रिया के दौरान कुल 119 युवाओं का प्राथमिक स्तर पर चयन किया गया।

कंपनीवार चयनित युवाओं में चेकमेट सिक्योरिटी सर्विसेज द्वारा 28, संवारिया बायो फर्टिलाइजर्स द्वारा 29, ग्रेट ऑर्गेनिक डायमंड सागर द्वारा 30, फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी संस्था द्वारा 20 तथा कॉस्मोस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 12 युवाओं का प्राथमिक स्तर पर चयन किया गया। आयोजन के दौरान चयनित युवाओं में से 74 युवाओं को ऑफर लेटर वितरित किए गए। युवा संगम के माध्यम से युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों से जोड़ने के साथ ही उन्हें रोजगार प्राप्त करने की प्रक्रिया, विभिन्न कंपनियों की आवश्यकताओं एवं उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारी भी प्रदान की गई।

जिला रोजगार कार्यालय द्वारा युवाओं से अपील की गई है कि वे रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित होने वाले रोजगार मेलों एवं युवा संगम कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करें।

भारतीय संस्कृति में गुरु को सदैव उच्च स्थान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मंदसौर में आयोजित कार्यक्रम में वीसी से हुए शामिल

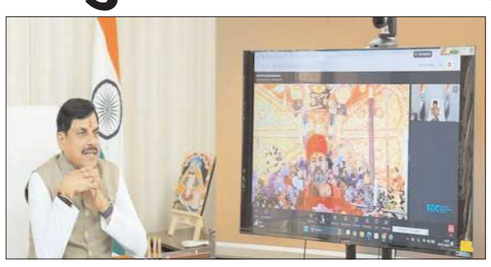

निज संवाददाता

भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सदैव उच्च स्थान दिया गया है। गुरु की महिमा अपार है गुरुओं के प्रति हम सदैव कृतज्ञ रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मंदसौर में आयोजित गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में गुरुओं की गौरवशाली परंपरा रही है। आदि शंकराचार्य, वेदव्यास जी जैसे गुरुओं के माध्यम से हमारी संस्कृति में शिक्षा के साथ प्रेम भक्ति दया करुणा अनुशासन आदि संस्कार पुष्पित पल्लवित हुए हैं। गुरु की गादी से ही चरित्र निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि उज्जैन के सांदीपनि आश्रम की महता पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रदेश में संचालित किये जा रहे सांदीपनि स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में देश में सर्वश्रेष्ठ स्थान बनाए हुए हैं अब प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थी भी सांदीपनि विद्यालयों की ओर आ रहे हैं। प्रदेश में 25 हजार करोड रुपए राशि के प्रावधान के साथ स्थान पर सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदसौर कार्यक्रम में उपस्थित गुरु पंडित श्री भीमाशंकर शास्त्री जी के गौ संरक्षण कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए उनके संकल्प के लिये बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे अवसर मिलते ही आगामी दिनों मंदसौर आएंगे। श्रावण मास के दौरान धूमधाम से भगवान की सवारी आयोजित की जाएगी। सवारी के दौरान पुलिस बैंड की भी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरू पुर्णिमा की सभी को बधाई भी दी।

मंदसौर कृषि मंडी प्रांगण में इस अवसर पर गुरुदेव पंडित श्री भीमाशंकर शास्त्री जी, विधायक श्री विपिन जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया, पूर्व मंत्री श्री नरेन्द्र नाहटा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जिला योजना समिति सदस्य श्री राजेश दीक्षित, श्री महेन्द्र गुर्जर, कलेक्टर श्री दिव्यांक सिंह, पुलिस अधिक्षक श्री विनोद कुमार मीना, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं भक्तगण एवं शिष्यगण उपस्थित थे।

गौरी सरोवर की सफाई का ठेका लेने वाली फर्म को नोटिस जारी

निज संवाददाता

भिण्ड। एडीएम व नगर पालिका भिण्ड के प्रभारी सीएमओ राजन वी नाडिया ने गौरी सरोवर की साफ सफाई का टेंडर लेने वाली फर्म को ब्लैक लिस्टेड करने के लिए नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया कि गौरी सरोवर से जलकुंभी हटाने, निकली जलकुंभी का परिवहन एवं निपटान करने का टेंडर लेने वाले ठेकेदार ने निर्धारित अवधि के गुजरने के दो माह बाद भी से अधिक अवधि पूर्ण होने पर भी सरोवर से जलकुंभी निकालने का कार्य पूर्ण नहीं किया गया। नोटिस में कहा गया कि नोटिस के 3 दिन में कार्य पूर्ण न होने पर फर्म को ब्लैक लिस्टेड करने के साथ ही एफआईआर कराने की कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय महाविद्यालय बानमौर में गुरु पूर्णिमा पर महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व का आयोजन

निज संवाददाता

मुरैना, 29 जुलाई 2026/मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय बानमौर में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व का आयोजन श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति में गुरु के अतुलनीय महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

समारोह में सेवानिवृत्त ग्रंथपाल डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार वार्ष्णेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्रेरणादायी संदेश देते हुए कहा कि पुस्तकें और गुरु जीवन में ज्ञान के वास्तविक प्रकाशपुंज हैं। इसलिए हमें सदैव पुस्तकों एवं गुरुजनों का सम्मान करते हुए निरंतर सीखने की प्रवृत्ति बनाए रखनी चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार किरार ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सदैव सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया है।

महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह धाकड़ ने सभी को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के जीवन में सही मार्गदर्शन एवं गुरु के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रिचा गुप्ता, सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) रहीं। उनके कुशल संयोजन एवं मार्गदर्शन में कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ। मंच का सफल एवं प्रभावी संचालन डॉ. कृपाल सिंह, सहायक प्राध्यापक द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने, चरित्र निर्माण करने और सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए गुरु का सम्मान एवं मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. जसवंत सिंह जयंत, ग्रंथपाल ने भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य संबंध की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके अलावा रिठौरा के शासकीय महाविद्यालय में गुरू पूर्णिमा एवं महर्षि सांदीपनि गुरू पर्व के अवसर पर भारतीय गुरू शिष्य परंपरा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों पर आधारित गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सीसी जारी होने के बाद क्यों जागा विभाग ?

सलापुरा-ढोढर मार्ग की गुणवत्ता जांच पर उठे सवाल

लंबे समय से गुणवत्ता को लेकर मिल रही थीं शिकायतें, अब सड़क की परतों की जांच; निर्माण एजेंसी के अधिकारी टिप्पणी से बचते नजर आए

निज संवाददाता

श्योपुर। सलापुरा से मार्ग का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से ही यह सड़क गुणवत्ता संबंधी शिकायतों और विवादों के कारण लगातार चर्चा में रही है। निर्माण के दौरान और उसके बाद कई बार सड़क के विभिन्न हिस्सों के क्षतिग्रस्त होने की शिकायतें सामने आईं। बीच-बीच में निर्माण एजेंसी द्वारा मरम्मत कार्य भी कराया गया, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि इसके बावजूद सड़क की स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान कई बार संबंधित विभाग के समक्ष शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इस बीच सड़क का कम्प्लीशन सर्टिफिकेट (सीसी) भी जारी कर दिया गया, जिसके बाद अब गुणवत्ता जांच शुरू होने पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

मंगलवार को संबंधित अधिकारियों द्वारा श्योपुर-ढोढर मार्ग का निरीक्षण कर सड़क की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। हालांकि स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि यदि निर्माण कार्य पूर्ण होने से पहले ही गुणवत्ता की नियमित और निष्पक्ष जांच की जाती, तो बाद में इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न नहीं होती। लोगों का कहना है कि सीसी जारी होने के बाद कराई जा रही जांच से यह सवाल उठ रहा है कि यह वास्तविक तकनीकी परीक्षण है या केवल औपचारिक कार्रवाई।

निरीक्षण के दौरान सड़क के कुछ स्थानों पर डामर की परत की मोटाई को लेकर भी चर्चा रही। स्थानीय लोगों का दावा है कि कई स्थानों पर डामर की परत अपेक्षा से कम दिखाई दी तथा नीचे की मिट्टी नजर आ रही थी। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

इस दौरान निर्माण एजेंसी के अधिकारियों से सड़क निर्माण की गुणवत्ता और उठ रहे सवालों के संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन वे इस संबंध में खुलकर टिप्पणी करने से बचते नजर आए।

अब क्षेत्रवासियों की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं। लोगों का कहना है कि यदि जांच में निर्माण कार्य में किसी प्रकार की तकनीकी कमी या अनियमितता सामने आती है, तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं यदि सड़क मानकों के अनुरूप पाई जाती है, तो इससे सभी आशंकाओं का भी निराकरण हो सकेगा।